डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 181 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 17 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

पं. धीरेंद्र शास्त्री रतलाम आए...

कहा, हिन्दू राष्ट्र की मांग और छुआछूत को मिटाने के लिए नवंबर में पदयात्रा निकालेंगे

रतलाम, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बुधवार को पहली बार रतलाम पहुंचे। उन्हें देखने, सुनने के लिए भारी भीड़ इकट्ठा हो गई थी। पं. धीरेंद्र शास्त्री से मिलने के लिए भीड़ में धक्का-मुक्की में कुछ महिलाएं नीचे भी गिर गईं। हालांकि, किसी को चोट नहीं आई। श्री शास्त्री बीकानेर के नौखा से दोपहर करीब 12:20 बजे रतलाम में बंजली हवाई पट्टी पर चार्टर प्लेन से उतरे। वे यहां से सागोद रोड पर एक निजी कार्यक्रम के लिए रवाना हुए। यहां लोगों से मुलाकात और भोजन के बाद बंजली चौराहा आयोजन स्थल पर पहुंचे। दिव्य आशीर्वचन के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर और देश में छुआछूत को मिटाने को लेकर नवंबर माह में पैदल यात्रा निकालेंगे।

जो कन्वर्टेड मुस्लिम हैं, वो भी हिंदू है...

देश में जुलूस पर हो रही पत्थरबाजी को लेकर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, यह हिंदुओं को डराने की साजिश है। लेकिन हिंदू डरेगा, झुकेगा नहीं। इस देश में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंदू है। वे मुस्लिम भी हिंदू है, जो कन्वर्टेड है।

बच्चों को कट्टर हिंदू जरूर बनाओ...

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, हिंदू राष्ट्र की शुरुआत रतलाम से हो सकती है। रतलाम पहली बार आया हूं, बहुत सुना है यहां के बारे में। ये संतों की नगरी है। अगली बार जल्द यहां आकर कथा करूंगा। दरबार लगाऊंगा। हिंदू एक ऐसी विचारधारा है, जो तीसरे विश्व युद्ध से बचाएगा। बच्चों कलेक्टर, एसपी, मिनिस्टर बनो, मगर कट्टर हिंदू जरूर बनो। हम लोग पूजा-पाठ छोड़ रहे हैं। संस्कार खो रहे हैं। मंदिर जाओ, तिलक लगाओ। मुसलमानों से सीखो वह क्या नमाज पढ़ना भूलते हैं। ईसाई चर्च जाना छोड़ते हैं क्या, तो फिर हम सनातनी होकर मंदिरों से दूर क्यों हैं। अभी समय है, एक होकर हिंदू राष्ट्र बनाने का। हमें मुसलमानों से कोई दिक्कत नहीं है। दिक्कत उन लोगों से हैं, जो बोलते हैं कि सर तन से जुदा कर देंगे।

गृहमंत्री अमित शाह आज नीमच में

नीमच, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय मंत्री गृहमंत्री अमित शाह आज 17 अप्रैल को नीमच सीआरपीएफ में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को उदयपुर से बीएसएफ हेलीकॉप्टर से नीमच सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पहुंचे है, यहां रात्रि विश्राम के पश्चात आज गुरुवार को विभिन्न कार्यक्रमो में शामिल होंगे।

गुरुवार सुबह 8 बजे श्री शाह सीआरपीएफ के परेड ग्राउंड में आयोजित राइजिंग डे परेड में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। परेड के बाद दोपहर 1 बजे गृह मंत्री दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। सीआरपीएफ ... शेष पेज 4 पर

सनातन जीवन पद्धति को समूचा विश्व समझ रहा-डा. यादव

मुख्यमंत्री ने मंदसौर में सोमयज्ञ में दी आहूतियां, पशुपतिनाथ लोक को विकसित करने का ऐलान

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार को भगवान पशुपतिनाथ की पवित्र नगरी मंदसौर आये, यहां उन्होंने कालाखेत स्थित वल्लभाचार्य नगर में चल रहे सोमयज्ञ मे सहभागिता करते हुए आहुतिया दी। इस अवसर पर मंदसौर के सर्व समाज द्वारा पवित्र नगरी में मदिरा विक्रय प्रतिबंधित किऐ जाने पर सीएम का नागरिक अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि यज्ञ के माध्यम से हमें अपने स्वरूप को पहचानने की आवश्यकता है। मानव जीवन का प्रारंभ बिंदू आत्मा के रूप में शुरु होता है और आखरी में चिता की भस्म में मिल जाता है। भगवान कृष्ण ने जीवन जीने की कला को भगवत गीता में समाहित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज पूरी दूनिया सनातन संस्कृति की और देख रहीं है, उसे समझ रहीं है। हमारी सनातन जीवन पद्धती को पूरा विश्व सीख रहा है। कोविड जैसी महामारी ने नमस्कार सिखा दिया, शुद्धता के साथ रहना सिखा दिया, हमारी पूरी जीवन पद्धती को बदल दिया। अधोसंरचना के काम दूनिया के धनी से धनी देश करते है। लेकिन, अधोसंरचना से ही विकास नहीं होता है। दूनिया के 200 से ज्यादा देशों में आनंद के साथ जीने वालें देशों में भारत का नाम अव्वल है, जहां 88 प्रतिशत लोग आनंद के साथ निवास करते है। सुख से बडा संतोष, संतोष से बडा आनंद और आखरी में मोक्ष की तरफ जाते है। समाज को संस्कार सिखाने के लिए सरकार ने धार्मिक नगरी में मदिरा बंदी का निर्णय लिया है। शराब की दूकान बंद और दूध का उत्पादन बढाने का काम सरकार ने डॉ भीमराव अंबेडकर और भगवान श्री गोपाल के नाम से किया है। सरकार हर जिले में एक गांव को वृंदावन गांव विकसित करेंगी। इसके साथ ही घर-घर गोपालक बनें इसके लिए दूध उत्पादन बढाने की योजना सरकार लागू कर रहीं है। दूध के उत्पादन को 08 प्रतिशत से बढाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का निर्णय सरकार ने किया है, गाय का दूध खरीदने की व्यवस्था सरकार करेंगी। श्री यादव ने कहा कि लावारिस घूमने वाली गौमाता के लिए गौशाला की व्यवस्था सरकार करेंगी। इसमें संत समाज का मार्गदर्शन भी इसमें जुडेंगा। इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की लीला जहां-जहां भी हुई, उसे तीर्थ के रूप में विकसीत कर रहे है, इसमें राजस्थान सरकार भी सहभागी बन रहीं है।

डॉ यादव ने कहा कि मंदसौर जिले में भी कहीं भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के कोई स्थान चिन्हित हो सके तो उसे भी सरकार विकसीत करेंगी। साथ ही पशुपतिनाथ कॉरिडोर में जो भी आवश्यक होगा उसे पूरा किया जाऐगा। इस मौके पर गोकुलोत्सवजी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने कार्यो को प्रभु के चरणारविन्द करते हुए सेवा कार्य को समपर्ण भाव से कर रहे है। आपने ऐसी अलख जगाई है कि पशुपतिनाथ की पवित्र नगरी को मदिरा विक्रय मुक्त घोषित किया है। यह अलख केवल मंदसौर और प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में जगेगी। इस निर्णय से परिवार सुख-समृद्ध होंगे। क्योंकि, जहां मदिरापान होता है वहां परिवार बर्बाद हो जाते है। एक बिन्दु मे पूरे सुख का सागर सिंधु समाहित कर दिया। महाराज श्री ने सोमयज्ञ की महिमा बताते हुए कहा कि इस अनुष्ठान से 12 कोस तक प्रभाव होता है। पूरे क्षेत्र के वास्तु दोष दूर हो जाते है। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि भगवान पशुपतिनाथ का ऐतिहासिक नगर है, यशोधर्मन का शहर है। मुख्यमंत्री की सोच भारत के इतिहास और गौरव को पुरातन परम्पराओं को जोडने की है, मंदसौर में आयोजित सोमयज्ञ क्षेत्र और प्रदेश के विकास में अपना योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक निर्णय किए है। श्री गुप्ता ने भगवान पशुपतिनाथ कॉरिडोर के आसपास की भूमि को मेला क्षेत्र के लिए अधिगृहित करने और विकास करने की मांग की। प्रारंभ में सोमयज्ञ आयोजन समिति ने मुख्यमंत्री का सम्मान किया। इसके साथ विभिन्न समाजों ने भी मुख्यमंत्री का सम्मान किया। समारोह का संचालन वरिष्ठपत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया तथा आभार आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने माना।

बेअसर पत्र: तेलिया तालाब में दम तोड़ रही मछलियां

अस्तित्व बचाने की जंग में अकेला पड़ा तालाब

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अस्तित्व को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहा तैलिया तालाब अकेला पड़ गया है। अब हालात यह है कि लगातार जलीय जीव दम तोड़ रहे हैं। इसे बचाने के लिए जिम्मेदार सिर्फ प्रपोजल-प्रपोजल, पत्र-पत्र और निर्देश-निर्देश का खेल खेल रहे हैं। विगत दिनों नपाध्यक्ष ने भी तेलिया तालाब प्रदूषण रोकने के लिए कलेक्टर को पत्र लिखकर अवगत कराया। हालांकि, पत्र का भी कोई असर नहीं हुआ। इधर एक बार फिर तेलिया तालाब में मछलियों के शव तालाब के अस्तित्व पर मंडरा रहे खतरे को बयां कर रहे है।

शहर के मध्य तेलिया तालाब में प्रदूषण का स्तर इन दिनों इतना बढ़ गया है कि जलीय जीव भी दम तोड़ रहे है। तालाब में केमिकल युक्त पानी के कारण झाग दिखने लगे है। वहीं एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों का सीवरेज भी नालों से इसमें आ रहा है। ऐसे में मछलियां प्रदूषण की जद में आकर दम तोड़ रही है। तेलिया तालाब में गर्मी के दौर में तालाब का जलस्तर जैसे ही थोड़ा कम हुआ तो पानी का प्रदूषण स्तर बढ़ गया। इससे पूरा तालाब ही प्रदूषित ओर केमिकल युक्त पानी वाला हो गया। इसके कारण मछलियों के मरने का सिलसिला शुरु हो गया। जलस्त्रोतों में बढ़ते प्रदूषण के कारण इनमें जलीय जीवों का जीवन भी मुश्किल हो गया है और पानी में ही मछलियां दम तोड़ रही है।

निर्देश के बाद निकाला रास्ता...

तेलिया तालाब में एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनियों का सीवरेज के साथ उद्योगों से निकलने वाला केमिकल युक्त पानी भी तालाब के अस्तित्व के लिए खतरा बन रहा है। नाले सीधे तालाब में मिलकर इसे प्रदूषित कर रहे है। जबकि, एनजीटी ने निर्देश दिए थे कि नपा नालों के मिल रहे पानी और गंदगी को तालाब में मिलने से रोके, नहीं तो 05 लाख रूपए का जुर्माना हर माह नपा को भुगतना होगा। लेकिन, नपा ने इसका रास्ता निकाल लिया। नपा ने नालो को डायवर्ट कर तालाब को गंदगी से मुक्त करने के बजाए करोड़ो की डीपीआर तैयार कर शासन को भेज दी और इतिश्री कर ली। डीपीआर में भी दो बार बदलाव किया गया। एनजीटी के निर्देश के पालन के लिए नपा ने गेंद शासन के पाले में डाल दी और राशि का इंतजार कर रहे है। जबकि, पूर्व में नालों को डायवर्ड करने की बनी योजना कागजों में ही दफन हो गई।

रहवासी से लेकर उद्योगों की गंदगी से प्रदूषित हो रहा तालाब...

क्षेत्र की 16 रहवासी कॉलोनियों से निकलने वाला गंदा पानी नालों के रुप में तालाब में पहुंच रहा है तो औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाला पानी भी तालाब को प्रदूषित कर रहा है। लेकिन, नपा के अधिकारियो को इसके लिए फुर्सत ही नहीं है। तालाब दिनों दिन प्रदूषित होता चला जा रहा है और नपा शासन से राशि की मंजूरी की राह देख रही है। स्थानीय स्तर पर नपा ने एक भी प्रयास नहीं किया। इसके लिए एनजीटी से दो बार आदेश हो चुके हैं। तेलिया तालाब के सौंदर्यीकरण से लेकर यहां हर बार प्रयोग तो खूब होते है। लेकिन, इसे प्रदूषण से नहीं बचाया जा रहा है।

सौंदर्यीकरण के लिए करोड़ो खर्च, नाले नहीं किए डायवर्ट...

तेलिया तालाब सौंदर्यीकरण और पिकनिक स्थल के लिए नपा कई बार बड़ी राशि खर्च कर चुकी है। इसी के समीप दादा-दादी पार्क भी बनाया। नपा सौंदर्यीकरण से लेकर यहां के लिए सबकुछ कर रही है। लेकिन, तालाब में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के स्तर को कम नहीं कर पा रही है। तालाब में गंदे पानी मिलने को लेकर जब सीएम हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत हुई थी तो नपा ने जवाब भी दिया कि सीवरेज प्लान लागू होने पर ही तालाब में गंदगी मिलना रुक पाएगी।

प्रोजेक्ट-प्रोजेक्ट और डीपीआर-डीपीआर खेल रहे...

करीब 08 वर्ष पहले जिला योजना समिति ने गंदे पानी को तालाब में मिलने से रोकने के लिए 90 लाख रुपए का एक प्रोजेक्ट तैयार कराया। इसमें नवनिर्मित ऑडिटोरियम के यहां से एक नाला शासकीय कन्या महाविद्यालय के पास से होते हुए जिपं के सामने स्थित नाले में डालने की योजना तैयार की गई थी। यह प्रोजेक्ट दिल्ली एप्को को भी भेजा गया था। बाद में करोड़ो की डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई। इसके बाद फिर से इसमें संशोधन भी किया गया। लेकिन, योजना आज तक मूर्तरूप नहीं ले सकी!

सिंगोली में जैन संतों पर हमले का मामला...

धीरेंद्र शास्त्री बोले-पत्थर फैंकना है तो देशद्रोहियो पर फैंके

❊ मुनियों ने कहा-समय खराब था, कर्म भोगना था ❊ सभी आरोपियों को जैल भेजा

रतलाम, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नीमच के सिंगोली में जैन संतो पर हमले के मामले में रतलाम आए पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि घटना निंदनीय है। यह देश का दुर्भाग्य है कि संतों पर हमले किए जा रहे हैं। पत्थर फेंके जा रहे हैं। संतो को सुरक्षा देना चाहिए। मेरा कहना है पत्थर फेंकना हो तो देश द्रोहियों पर फेंके। इधर जैन संत शैलेश मुनि ने कहा कि हमारा समय खराब था। हमारे पिछले कर्म थे। हम किसी को कोई सजा नहीं दिलाना चाहते हैं। ये जो घटना हमारे साथ हुई, ये हमारे भाग्य में होनी लिखी थी। जिन लोगों ने ये किया, उन्हें ईश्वर सद्बुद्धि दे। दरअसल मंगलवार को घायल संतों को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आए। इस दौरान कुछ लोगों ने जैन संत को बताया कि महाराज जी आपके हमलावर पकड़े गए हैं। उन्हें कैसी सजा मिलनी चाहिए। इसके बाद संतों ने यह उत्तर दिया।

नीमच से 90 किमी दूर सिंगोली के कछाला गांव में रविवार रात करीब 12 बजे बालाजी मंदिर में रात्रि विश्राम के लिए रुके तीन संतों के साथ 06 लड़कों ने बुरी तरह मारपीट की थी। हमले में दो संत गंभीर रूप से घायल हो गए। तीसरे वहां से किसी तरह जान बचाकर भागे। उन्होंने गांव में सूचना दी। इसके बाद ग्रामीण इकट्ठा हुए। उन्होंने दो को मौके से पकड़ लिया। पुलिस ने रात में सर्चिंग कर आसपास के ग्रामीण इलाकों से बाकी चार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक नाबालिग है।

झगड़ा सुलझाने गांव पहुंचे थे आरोपी- कछाला गांव के युवक नाना लाल ने बताया कि डेढ़-दो माह पहले कछाला गांव का एक लड़का राहुल नायक चित्तौड़गढ़ के खेड़ा गांव (राजस्थान) से एक लड़की भगा लाया था। लड़की के गांववालों को पता चला कि वह कछाला गांव में किसी के यहां रह रही है। इसी विवाद को निपटाने के लिए 06 लड़के कछाला गांव पहुंचे। यहां राहुल के पिता जगदीश, उनके छोटे भाई और अन्य रिश्तेदारों के साथ बैठकर शराब पी। इस दौरान लड़कों का विवाद हो गया तो कुछ लोग वहां से चले गए। उन्हें ढूंढते हुए आरोपी लड़के बालाजी मंदिर जा पहुंचे। वहां तीनों जैन मुनि विश्राम कर रहे थे। लड़कों ने पहले जैन मुनियों से अपने रिश्तेदारों के बारे में पूछा। इसके बाद पैसे मांगने लगे। संतों का कहना था कि हम सांसारिक वस्तुओं से दूर रहते हैं। हमारे पास रुपए-पैसे नहीं रहते। इसके बाद आरोपियों ने आसपास की झाड़ियो से लकड़ी तोड़ी और बेल्ट आदि से मारपीट करने लगे। ग्रामीणों ने बताया कि जब वे लोग पहुंचे तो संतों के कपड़े फट चुके थे।

जैन स्थानक में ही रुके हैं संत- मंगलवार को आरोपियों को जावद कोर्ट में पेश किया गया। वहां से सभी को जैल भेज दिया गया। वकीलों ने इनकी पैरवी करने से मना कर दिया। आरोपी गांव में जिस परिवार के यहां आए थे, उसके खिलाफ भी समाजजनों ने ज्ञापन सौंपा है। घटना के विरोध में सोमवार को सिंगोली बाजार बंद था। घायल संत शैलेश मुनि, मुनींद्र मुनि और बलभद्र मुनि अभी सिंगोली जैन स्थानक में रुके हैं। हमले में शैलेश मुनि के पैर का नाखून टूट गया है, वहीं मुनींद्र मुनि के हाथ-पैर और पीठ में मारपीट के निशान हैं। दोनों की आंखों में सूजन है। बलभद्र मुनि को ज्यादा चोट नहीं आई है। तीनों को देखने के लिए रतलाम से इनके रिश्तेदार भी पहुंचे।

घटना के बाद पैदल ही जैन स्थानक पहुंचे- पूरे घटनाक्रम के बाद पुलिस और जैन समाज के लोगों ने संतों को वाहन में बैठाकर घटनास्थल से सिंगोली जैन स्थानक चलने का अनुरोध किया। लेकिन, उन्होंने मना कर दिया। संत पैदल ही चले। गंभीर घायल मुनींद्र मुनिजी को ठेला गाड़ी ... शेष पेज 4 पर

आग उगल रही गर्मी, मई-जून में क्या होगा?

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अप्रैल के पहले पखवाड़े में ही गर्मी मई-जून की तरह आग उगल रही है। लोगों के हाल तेज धूप और गर्मी से बेहाल है। दोपहर में बाजार सुनसान नजर आ रहे हैं। अगले 03 दिन तेज गर्मी का असर रहेगा। ग्वालियर, चंबल, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव यानी लू भी चल सकती है। बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों में गर्मी बढ़ी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और सागर संभाग में पारा 41 डिग्री के पार रहा।

मौसम विभाग ने 18 अप्रैल तक तेज गर्मी की संभावना जताई है। इस दौरान बारिश के आसार नहीं है। पूर्वी

तीन दिन और तपेगी धूप, फिर कम होगा पारा

हिस्से यानी जबलपुर, रीवा-शहडोल संभाग में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अभी तीन सिस्टम एक्टिव है। इनमें दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और तीसरा ट्रफ शामिल हैं। 16 अप्रैल से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) शुरु हुआ है, जो प्रभावित कर रहा है। इसका असर प्रदेश में दो दिन बाद देखने को मिलेगा। जिससे पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

बता दें कि अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा रहता है। मध्यप्रदेश में मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसी ट्रेंड के अनुसार अगले 03 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में अलग-अलग जिलों में हीट वेव का असर देखने को मिलेगा।

अध्यक्ष को लेकर उलझी सरकार, उधर अंतरराष्ट्रीय साख में लगातार गिरावट जारी...

मंदसौर/उज्जैन, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। देश में सरकार एनडीए की है। पर प्रचलन है कि भाजपा की नरेंद्र मोदी की सरकार है। ग्यारहवें साल में प्रवेश कर चुकी सरकार में परिपक्वता आने की बजाय अपरिपक्व विदेश व वित्तीय नीतियों के कारण देश की अंतरराष्ट्रीय साख में लगातार गिरावट आती जा रही है। इसी के साथ वैश्विक बाजार और तकनीक की दुनिया में कभी विकासशील देश में गिने जाते थे। अब लगता है अविकसित दायरे में समाते जा रहे हैं।

बीता समय रूस- यूक्रेन और इसराइल-हमास युद्ध के दौर में गुजरा है। इस युद्ध में कैसे शस्त्र और कैसी नीतियां अपनाई जा रही है, सब देखने के बाद भी हम अमेरिका और रूस से पुराने हवाई जहाज खरीद रहे हैं। जबकि, जानकार विशेषज्ञों को मानना है कि भविष्य के युद्ध में आधुनिक ए आई तकनीक के साथ ड्रोन का उपयोग सबसे अधिक हो जाएगा। आज विश्व में सबसे बेहतर ड्रोन बनाने में तुर्की सबसे आगे है। तुर्की का बनाया हुआ ड्रोन टीबी 3 एक बार उड़ाने के बाद 24 घंटे हवा में रह सकता है। साथ ही तुर्की का दावा है कि इसी से सुपरसोनिक मिसाइल

चन्द्रमोहन भगत

छोड़ चुका है। जबकि, भारत अमेरिका से एफ 35 जैसे पुरानी तकनीक वाले हवाई जहाज खरीद रहा है। जिसे ट्रंप सरकार के डीओजी मंत्री एलन मस्क भी कबाड़ कह चुके हैं। भारत सरकार की खुफिया एजेंसी रॉ के लिए नकारात्मक टिप्पणी कि, विदेशी नागरिकों को मरवाते हैं। यूनाइटेड कमिशन फॉर इंटरनेशनल फ्रीडम ने रॉ को बैन करने की सिफारिश कर दी है। ट्रंप सरकार ने बनते ही हमारे देश को टारगेट करते हुए अपने देश के निर्यात पर 80 से 100 प्रतिशत तक शुल्क कम कर लिया। जिस पर बगैर समीक्षा किए मोदी सरकार ने स्वीकृति भी दे दी है। इसका असर हमारे विदेशी मुद्रा भंडार पर नजर आ रहा है। जबकि, जिन राष्ट्रों ने ट्रंप की टैक्स नीतियों का खुलकर विरोध किया। उन्हें अब ट्रंप सरकार ही कुछ प्रतिशत की राहत देती नजर आ रही है। चीन-अमेरिका का एक दूसरे पर टैक्स वार दुनिया के सामने है।

वित्त एवं विदेश नीतियों के साथ पड़ोसी बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान भी भारत का प्रतिरोध करना शुरु कर चुके हैं। इस अंतरराष्ट्रीय स्थितियों से अलग सरकार केबडेघटक दल भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का मामला भी इतना गरमा गया है कि देश के राजनीतिक जगत की मुख्य खबर में स्थान पा रहा है। विभिन्न स्रोत, टीवी चैनल, यूट्यूब, समाचार पत्रों में हर बार एक नए नाम के साथ खबरें उजागर हो रही है। कोई संघ का पलड़ा भारी बताता है तो कोई सरकार के शीर्ष नेतृत्व का। योग्यता लिए हुए अनेक भाजपा नेताओं के नाम सतह पर हैं। पर कौन बनेगा यह उजागर होने तक रहस्य बना रहेगा। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर दो खेमे में से सरकार समर्थक बनेगा या संघ समर्थक इसका दावा करना भी अभी बेमानी होगा। तब तक भाजपा और सरकार में उहा पोह की स्थिति बनी रहेगी..।

विचार-मंथन

आतंक की चुनौती से डटकर लड़ रही सेना

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर काबू पाने के लिए हर स्तर पर किए गए उपायों के बावजूद आज भी वहां आए दिन जिस तरह के आतंकी घुसपैठ और हमले होते हैं, उससे यही लगता है कि वहां इस समस्या की जड़ें गहरी बनी हुई हैं। वरना क्या वजह है कि हर कुछ दिनों बाद सुरक्षा बलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ होती रहती है और उसमें कभी कुछ आतंकी मारे जाते हैं, तो कई बार हमारे जवान भी शहीद हो जाते हैं। मगर इस स्थिति में एक तरह की निरंतरता बनी हुई है, जिसकी बड़ी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। गौरतलब है कि जम्मू के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा यानी एलओसी पर आतंकियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की। मगर सतर्क जवानों ने शुक्रवार देर रात केरी भट्टल इलाके में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह को देखा और उन्हें चुनौती दी। इसके बाद आतंकियों ने भीषण गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि सुरक्षा बलों ने आतंकियों की भारत में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी, लेकिन यह दुख की बात है कि इस मुठभेड़ में भारतीय सुरक्षा बलों के एक सूबेदार घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। विडंबना यह है कि जम्मू-कश्मीर में तमाम सख्ती के बावजूद पिछले कुछ समय से एक बार फिर आतंकवाद एक जटिल रूप में उभर रहा है। हर कुछ दिनों बाद आतंकी कभी राज्य के अलग-अलग इलाकों में आम नागरिकों से लेकर सुरक्षा बलों की शिविरों तक पर हमले करते हैं, तो कभी सीमा पार के इलाकों से भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश करते हैं। बाहरी प्रदेशों से आकर वहां गुजारा करने वाले प्रवासी मजदूरों और अन्य स्थानीय लोगों पर लक्षित हमले करना भी आतंकियों की एक नई रणनीति है। शनिवार को यह खबर आई कि किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों की ओर से चलाए गए एक अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। इस तरह की हर घटना के बाद क्षेत्र से आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प दोहराया जाता है, मगर यह भी सच है कि पिछले काफी समय से इस तरह के संकल्पों और उपायों के बाद भी हालत यह है कि सुरक्षा बलों का सामना आतंकियों से होता है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि घुसपैठ की ताजा घटना भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सीमा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए ब्रिगेड कमांडर स्तर की फ्लैग मीटिंग के दो दिन बाद हुई है। हाल में पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम का भी उल्लंघन किया गया। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार और सुरक्षा बलों की ओर से आतंकवाद का सामना करने के मामले में क्या किसी अन्य उपाय की जरूरत है? इसमें कोई दोराय नहीं है कि आतंकवादियों का सामना करने और उन पर काबू पाने के लिए सुरक्षा बलों की ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। यही वजह है कि आज जम्मू-कश्मीर में आतंकी अपने लिए खुला मैदान नहीं पाते हैं। जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू होने के बाद उम्मीद की गई थी कि नई सरकार आतंकवाद के खात्मे के लिए जमीनी स्तर पर कुछ ऐसे कदम उठाएगी, जिससे आतंकियों की पकड़ कमजोर हो। अब स्थानीय लोग भी इस समस्या से पार पाने के लिए खड़े हो रहे हैं और आतंकियों को उनका समर्थन मिलना तेजी से कम हो रहा है। फिर भी अपनी उपस्थिति का संदेश देने के लिए आतंकी अक्सर हमले करते रहते हैं तो इससे यही पता चलता है कि राज्य में अभी इस समस्या को खत्म करने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

ट्रांस-शिपमेंट सुविधा रद्द करने से बांग्लादेश को लगेगा झटका

अरुणिम भुयान

इस सप्ताह एक प्रेस ब्रीफिंग में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बांग्लादेश को दी गई ट्रांस-शिपमेंट सुविधा से भारत के हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर भीड़भाड़ बढ़ गई थी. उन्होंने कहा, इससे देरी हो रही थी और लागत बढ़ रही थी, जिससे हमारे अपने निर्यात प्रभावित हो रहे थे. इसलिए 8 अप्रैल, 2025 से यह सुविधा वापस ले ली गई है. उन्होंने यह भी कहा कि इसका बांग्लादेश के नेपाल और भूटान को होने वाले निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ेगा. लेकिन हकीकत यह है कि पेट्रापोल सीमा पर चार बांग्लादेशी ट्रकों को, जो रेडीमेड कपड़ों से लदे थे, भारत में प्रवेश से रोक दिया गया. क्योंकि भारत ने ट्रांस-शिपमेंट सुविधा रद्द कर दी थी. इन ट्रकों को बेनापोल सीमा से ढाका वापस भेज दिया गया। भारत ने 29 जून, 2020 को एक आदेश के माध्यम से ट्रांसशिपमेंट सुविधा शुरू की थी. जिससे बांग्लादेशी माल को भारतीय क्षेत्र का उपयोग करके तीसरे देशों में ले जाया जा सकता था. जनवरी 2024 से मार्च 2025 तक, 15 महीनों की अवधि में, बांग्लादेश ने भारतीय सड़क पारगमन का उपयोग करके 36 देशों को लगभग 462 मिलियन डॉलर मूल्य के वस्त्र निर्यात किए थे. हालांकि, भारतीय केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 8 अप्रैल को आदेश रद्द कर दिया, जिससे ऐसे शिपमेंट रुक गए. निरस्तीकरण ने स्थापित व्यापार मार्गों को बाधित कर दिया है, जिससे बांग्लादेशी निर्यातकों को वैकल्पिक मार्गों की तलाश करने के लिए मजबूर होना पड़ा है. निर्यातकों को अब उच्च हवाई माल भाड़े और लंबे पारगमन समय का सामना करना पड़ रहा है. जिससे वैश्विक बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो रही है. भारत के अचानक उठाए गए कदम से बांग्लादेश से मध्य पूर्व और पश्चिमी बाजारों में तत्काल निर्यात के लिए प्रमुख पारगमन विकल्पों में से एक अवरुद्ध हो गया है. बांग्लादेशी समाचार पोर्टल ने बताया कि, हालांकि कुल निर्यात मात्रा पर तत्काल प्रभाव सीमित हो सकता है, लेकिन निर्यातकों का कहना है कि प्रतिबंध से डिलीवरी विकल्पों में लचीलापन कम हो जाता है और बांग्लादेश की निर्यात क्षमता कम हो सकती है. रिपोर्ट में एक निर्यातक के हवाले से कहा गया है कि, इसके लिए हमारी सरकार से कूटनीतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है. भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंच रोक देने के कारण बांग्लादेश के अपने लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव बढ़ गया है. स्थानीय हवाई अड्डों पर कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि उच्च कार्गो हैंडलिंग शुल्क और अपर्याप्त सुविधाएं इत्यादि. बांग्लादेश के साथ ट्रांस-शिपमेंट समझौते को रद्द करने का भारत का निर्णय, इस महीने की शुरुआत में बैंकॉक में बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के साथ हुई बैठक के तुरंत बाद आया है. यह निरस्तीकरण अमेरिका द्वारा बांग्लादेशी निर्यात पर 37 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लागू करने के साथ मेल खाता है. हालांकि 90 दिनों के लिए रोक दिया गया है, जिससे इस क्षेत्र पर और अधिक दबाव पड़ रहा है.विशेषज्ञ भारत के इस कदम के बारे में गलतफहमियां देख रहे हैं. वे इसे चीन के साथ बांग्लादेश की बढ़ती भागीदारी के प्रति नई दिल्ली की प्रतिक्रिया के रूप में देखते हैं, जिसमें भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के रणनीतिक महत्व और इस क्षेत्र के लिए समुद्र के प्रवेश द्वार के रूप में बांग्लादेश की भूमिका के बारे में यूनुस की टिप्पणियां शामिल हैं. बैंकॉक में यूनुस के साथ अपनी बैठक के दौरान मोदी ने एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के प्रति भारत का समर्थन दोहराया था. सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में यूनुस बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन से पहले चीन की अपनी यात्रा के दौरान एक आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान यह कहते हुए दिखाई दिए कि भारत के सात राज्य, भारत का पूर्वी भाग, सात बहनें कहलाते हैं.वे भारत के एक भू-आबद्ध (लैंड लॉक) क्षेत्र हैं. उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है. उन्होंने बांग्लादेश को भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए महासागर का संरक्षक बताया. इस पर भारत में राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर गुस्सा भड़क उठा. विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मोदी-यूनुस की बैठक के बाद बैंकॉक में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने (मोदी) इस बात पर जोर दिया कि भारत संबंधों में लोगों पर केंद्रित दृष्टिकोण में विश्वास करता है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे सहयोग पर प्रकाश डाला, जिससे दोनों देशों के लोगों को ठोस लाभ मिला है. और, इसी भावना के साथ, उन्होंने एक बार फिर प्रोफेसर यूनुस को व्यावहारिकता की भावना के आधार पर बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया. अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति पैदा हो गई. हसीना को सत्ता से हटाया जाना छात्रों की क्रांति के बाद हुआ, जो उनके शासन की सत्तावादी शैली के खिलाफ़ बड़े पैमाने पर विद्रोह में बदल गई. उनका डेढ़ दशक लंबा शासन अचानक समाप्त हो गया, जिससे एक राजनीतिक शून्य पैदा हो गया जिसने मौजूदा विभाजन को और बढ़ा दिया और नियंत्रण के लिए संघर्ष को जन्म दिया. हसीना के सत्ता से बाहर होने के तुरंत बाद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ. हसीना के भारत में शरण लेने के बाद से ही दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं, जबकि पिछले साल दिसंबर में विदेश सचिव मिसरी ने संरचित विदेश कार्यालय परामर्श के लिए ढाका का दौरा किया था.इस बीच, बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने हसीना और उनके कई सहयोगियों के प्रत्यर्पण का आदेश दिया है, जो अगस्त में हुए उथल-पुथल के बाद देश छोड़कर भाग गए थे. हसीना के निष्कासन के बाद बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों का उदय हुआ, जिसके कारण धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा हुई. भारत लगातार इन घटनाक्रमों पर अपनी चिंता व्यक्त करता रहा है. पिछले साल अगस्त में सत्ता संभालने के बाद यूनुस ने भारत विरोधी कई बातें कीं.

सैनिकों की जगह अब रोबोट के युद्ध लड़ने का है अनुमान

जवाहर चौधरी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) शब्द सामान्य जन की बातचीत में चिंता के साथ शामिल हो चुका है। रोज एआई के चौंकाने वाले कारनामे खबरों में आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह रोबोट से जुड़ कर वे तमाम काम कर लेगा, जो इंसान करते हैं। इंसान को तो हम जानते ही हैं। वह सारे काम तो अच्छे करता नहीं है। यों कहें कि अब कई बार वह गैर-इंसानी काम ज्यादा करने लगा है, तो गलत नहीं होगा। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर एक खबर चली कि एक रोबोट ने अपनी मालकिन को मार डाला! एक विचार यह भी चल रहा है कि एआइ संपन्न रोबोट अपनी तरह के रोबोट खुद बनाने लगेगा, जैसा कि प्रकृति ने प्राणियों को यह शक्ति दी है कि वह अपनी तरह का प्राणी बना लेते हैं। मगर अब मशीन ऐसा कर लेगी तो हैरत की बात है। यानी रोबोट अपनी जनसंख्या बढ़ाने की स्थिति में आ सकते हैं। ऐसे अनुमान भी सामने आए हैं कि ये रोबोट अब सैनिकों की जगह युद्ध लड़ेंगे। पुलिस की तरह वे सारे काम करेंगे! वे सड़क पर यातायात का नियंत्रण करेंगे, वाहनों की रफ्तार चेक करेंगे, चालान बनाएंगे और पैसा वसूलेंगे। बड़ी इमारत या माल वगैरह की चौकीदारी भी इनके जिम्मे होगी और अगर कोई संदिग्ध आदमी नजर आया तो उसे मार भी सकते हैं। कुछ कार्य ऐसे हैं, जिन्हें करने का निर्णय एआइ सज्जित प्रणाली खुद ले लेती है। जैसे मिसाइल का पता लगाकर उसे नष्ट करने का यांत्रिक निर्णय। दुश्मन के खिलाफ यह रक्षात्मक है, लेकिन मशीन कब 'पोरस का हाथी' हो जाए, इसके डर से इनकार नहीं किया जा सकता है। कल्पना की उड़ान यहां तक जाती है कि वह समय दूर नहीं जब एआइ रोबोट हम पर राज करने लगेंगे। इंसान रोबोट पर पहले निर्भर होगा, उसके बाद गुलाम हो जाएगा। इसका असर यह भी हो सकता है कि रोबोट हिंसक हो जाए या अपने विवेक या 'प्रोग्रामिंग' के हिसाब से जरूरी समझेंगे तो आदमी को खत्म ही कर दे। इन दिनों विद्यार्थी एआइ तकनीक पर बहुत ज्यादा भरोसा करने लगे हैं। पढ़ाई-लिखाई में इनसे मदद मिलती है, रपट बनाई जाती है, प्रोजेक्ट तैयार किए जाते हैं। यह काम फटाफट यानी चुटकियों में हो जाता है। हम अपने सामान्य जीवन के कार्यों में हिसाब-किताब, जोड़-घटाव करने के लिए कैलकुलेटर का सहारा लेते हैं। हमारे बीच से वह पीढ़ी जा चुकी है जो बिना कैलकुलेटर के केवल मुंहजबानी सारा हिसाब जोड़-घटाव कर लेती थी। पौवा-अद्धा-पौना, पहाड़े सबको याद थे। अब अगर एआइ के सहारे प्रोजेक्ट की रपट बनेगी, शोध-पत्र तैयार किए जाएंगे तो इससे विद्यार्थियों की रचनात्मकता और मौलिकता कम होगी, विचारों को विकसित होने के अवसर कम हो जाएंगे। दस्तावेजों और फाइलों में बच्चे अच्छा करते दिखेंगे, लेकिन हकीकत की जमीन पर वे बहुत पीछे रहेंगे। मौजूदा समय में इस तरह के विचार हमें अतिशयोक्ति पूर्ण लग सकते हैं, लेकिन देखें कि इन दिनों हाल क्या है। आज लगभग हर हाथ में मोबाइल या स्मार्टफोन है। इसमें हमारे बैंक खाते और उसका ब्योरा, निजी जानकारी, फोटो वगैरह सब है। हम सोशल मीडिया पर जो देखते हैं, उससे हमारी गतिविधि दर्ज हो जाती है। कहां होती है, कौन करता है, यह हम नहीं जानते हैं। लेकिन जल्द ही फोन पर हमारी 'सर्च' यानी खोजने के विषय के अनुसार अलग-अलग वेबसाइट खुलने लगती है। हमने बिजली के पंखे को खोजा तो अगले कुछ दिनों तक हमें पंखे दिखाते रहेंगे, जब तक कि हमारी पंखों की खरीदी दर्ज न हो जाए। बैंक खाते में पैसा जमा होता है और निवेश की योजनाएं सामने आने लगती हैं। दवा से लगाकर जूते तक, कुछ भी हमने देखा कि घेरे गए। निजता को लेकर हमारे पास कोई गारंटी नहीं है। हम कहां और किस काम के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं, हमें पता नहीं है। यह निजता का उल्लंघन है। सोशल मीडिया और इंटरनेट के बिना सामान्य जीवन संभव नहीं रह गया है, लेकिन फर्जी खबरें और वीडियो की इतनी भरमार है कि हम भ्रमित और डरे हैं। एआइ से दिवंगत-जनों को चलते-फिरते बात करते देखा जा सकता है। एआइ की हरकत है कि सोशल मीडिया से तस्वीर लेकर किसी भी आदमी को कुछ भी करते हुए दिखाया जा सकता है। ऐसे काम आमतौर पर अश्लील ही होते हैं। इससे अच्छे-भले व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा धूल में मिल सकती है। एआइ पूरी तरह से प्रभावशील हो, उससे पहले इस पर नियंत्रण की जरूरत है।

सिनौली उत्खनन ने सिद्ध किया, आर्य भारत के मूलनिवासी

भारत की परतंत्रता व पुरातात्विक साक्ष्यों की कमी व अनदेखी ने इस मिथक को स्थापित कर दिया की आर्य नामक एक जाति भारत में मध्य एशिया से आई थी,कहा जाता था की 1500 ई. पू. में मध्य एशिया से आए तथाकथित आर्य भारत में रथ लेकर आए द्य परन्तु सिनौली से प्राप्त रथ तो 2000 ई.पू. के हैं तथा 1500 ई. पू. से अधिक प्राचीन हैं। वैदिक काल और आर्य यह दो ऐसे शब्द हैं जो भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के इतिहासकारों व आमजनमानस को 19वीं शताब्दी से आकर्षित किए हुए हैं द्य अंग्रेजों के भारत में स्थापित हो जाने के बाद उनके इतिहासकारों ने मजबूती से इस बात को स्थापित करने का प्रयास किया की आर्य नामक एक जातीय समूह 1500 ईसा पूर्व में मध्य एशिया से चलकर भारत आयाद्य उनके अनुसार ये वही लोग थे जो भारत में अपने साथ घोड़े व रथ लेकर आए। भारत की परतंत्रता व पुरातात्विक साक्ष्यों की कमी व अनदेखी ने इस मिथक को स्थापित कर दिया की आर्य नामक एक जाति भारत में मध्य एशिया से आई थी । उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में हिंडन व यमुना नदी के मध्य में स्थित सिनौली नामक पुरास्थल से सन् 2018 - 19 में मिले पुरावशेषों ने यूरोपीय इतिहासकारों व उनके अनुगामी भारतीय इतिहासकारों द्वारा रचित आर्य आगमन के मिथक को धराशाई करने का कार्य किया है। कहा जाता था की 1500 ई. पू. में मध्य एशिया से आए तथाकथित आर्य भारत में रथ लेकर आए। परन्तु सिनौली से प्राप्त रथ तो 2000 ई.पू. के हैं तथा 1500 ई. पू. से अधिक प्राचीन हैं द्य इतना ही नहीं, भारत के प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद में रथों को सूर्य किरणों से आलोकित होने की चर्चा की गई है। सिनौली से मिले काष्ठ निर्मित रथों के पहियों में ताम्बे से जो जड़ाई का कार्य किया गया है वह सूर्य के फैलते हुए प्रकाश जैसा ही है।इस प्रकार सिनौली से मिले रथ व ऋग्वेद में वर्णित रथों में साम्यता है। यहां यह बात भी उल्लेखनीय है की हड़प्पा उत्खनन की विवरणिका (1940) में भी ताम्र निर्मित रथ प्राप्त होने का विवरण उपलब्ध है । दुर्भाग्यवश इस रथ की बात इतिहास की किसी पुस्तक में नहीं की गई है। जहां तक बात घोड़े की है तो सिनौली के उत्खननकर्ता के अनुसार रथ के वजन व माप के अनुसार यह रथ घोड़े के द्वारा खींचना ही सम्भव था। इतना ही नहीं, घोड़े के अवशेष सरस्वती सिंधु सभ्यता के विभिन्न पुरास्थल जैसे सुरकोटदा, लोथल, रंगपुर, शिकारपुर आदि स्थानों से प्राप्त हुए हैं । घोड़े के इन अवशेषों का उल्लेख भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की उत्खनन विवर्णिकाओं में उपलब्ध है। दुर्भाग्यवश रथ की तरह घोड़े के साक्ष्यों को भी इतिहास की पुस्तकों में स्थान नहीं दिया गया । पुरातात्विक साक्ष्यों व ऋग्वेद के वर्णन से यह स्पष्ट हो जाता है की रथ व घोड़े भारत में 2000 ई. पू. के पहले से विद्यमान थेद्य अतः रथ व घोड़े के आधार पर आर्य आगमन की बात करना तथ्यहीन है। सिनौली में हुए उत्खनन से हमें योद्धाओं द्वारा पहने जाने वाले ताम्र निर्मित शिरस्त्राण भी मिले हैं । यह शिरस्त्राण मृत शरीर के साथ ही दफनाए गए थे। भारत में इससे पूर्व इस काल के शिरस्त्राण प्राप्त नहीं हुए थे द्य ऋग्वेद के छठे मंडल में वैदिक देवता मरुतों के द्वारा युद्ध में जाते समय शिरस्त्राण पहने जाने के उल्लेख है द्य यह पुरावशेष भी सिनौली के लोगों में प्रचलित वैदिक परम्परा का ही द्योतक है। सिनौली से ही मिले कई शवाधानों में एक शवाधान में स्थित काष्ठ निर्मित एक शवपेटिका ऐसी भी है जिसपर ताम्बे की नौ मुखाकृतियां बनाई गई हैं । इन मुखाकृतियों ने बैल के सींग युक्त मुकुट पहने हैं।

आज का राशिफल

मेष · वृषभ · मिथुन · कर्क · सिंह · कन्या · तुला · वृश्चिक · धनु · मकर · कुंभ · मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक-5568

	6				9		8	5
9	4				6			2
	8	1			4			3
6						1		8
				3				
2		8						9
3			1			8	4	
8			6				5	7
4	7		2				3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5567

5	7	1	6	9	3	2	4	8
9	3	6	2	8	4	1	7	5
8	4	2	5	1	7	6	3	9
7	8	9	3	2	5	4	6	1
2	6	5	1	4	9	7	8	3
3	1	4	7	6	8	5	9	2
1	5	3	9	7	6	8	2	4
4	9	7	8	5	2	3	1	6
6	2	8	4	3	1	9	5	7

वर्ग पहेली 5568

संकेत: बाएं से दाएं

1. 9 जुलाई 1900 को मध्यप्रदेश के इस पूर्व राज्यपाल व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता ने जन्म लिया था (8)
6. पहर-पहर पर घंटा बजाने का शब्द, बहुत सबेरे समय का घंटा (3)
7. बिहार स्थित विश्व का प्राचीनतम ज्ञान केंद्र (5)
9. किसी चौपाये के स्तन (2)
12. पकाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस (2)
13. अभिलाषा, आरजू, मन्नत (3)
15. [illegible] (4)
17. न्यायाधीश को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
19. [illegible] (4)
23. प्रतिष्ठा, इज्जत, कीर्ति, नेकनामी (3)
24. वह जो प्रत्येक कार्य बाएं हाथ से करता हो (4)

ऊपर से नीचे

1. विष्णु भगवान का एक नाम जिसके नाम से एक कथा बहुत अधिक प्रचलित है (6)
2. मध्यप्रदेश का एक छोटा शहर [illegible] (3)
3. रहस्य, भेद, कोई गुप्त बात (2)
4. भय कंपित होना, डर से कांपना, दहलना (5)
5. अतिरिक्त, अधिक, रहित (2)
8. किसी रेखा पर सीधी और खड़ी गिरने वाली रेखा (2)
10. [illegible] (3)
11. क्रीड़ा लक्ष्य प्राप्ति, सफलता, जीत (3)
14. भगतसिंह के साथ इन्हें भी फांसी पर लटकाया गया था (4)
16. ख्याति, प्रसिद्धि, यश (2)
18. पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, [illegible], तीर, बाण (2)
20. इंडोनेशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप (2)
21. झूमने का भाव (2)
22. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5567 का हल

ज	पा	न			अ	रा	म
ब	ल	भ	द्र		म	ना	न
जा	ना		ह	ने	ज		क
	पी	प	ल		द	स्यु	र
की	स				अ	प	ना
स	ना	थ		जा	ती		
		प	ता		ख्या	रा	ना
	व	ही	ल			भा	ल

मुख्यमंत्री के आगमन पर आत्मीय स्वागत

नीमच, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का बुधवार को नीमच हवाई पट्टी आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव के साथ हवाई पट्टी पर महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता, जावद विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक नीमच श्री दिलीपसिह परिहार एवं मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू, श्रीमती वंदना खण्डेलवाल, नीमच नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपडा, न.पा. के पूर्व उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र भटनागर, श्री संतोष चौपडा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेटकर, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी का आत्मीय स्वागत किया। एडीजीपी उज्जैन श्री उमेश जोगा, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, डीआईजी रतलाम श्री मनोज कुमार सिह एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री डॉ.यादव की हवाई पट्टी पर वायुयान से उतरते ही आगवानी कर, उन्हें पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। तदपश्चात मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने नीमच हवाई पट्टी से कार द्वारा मंदसौर के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसोदिया व अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ज़िला वक्फ कमेटी मंदसौर में हुई नियुक्तियां

अजीजुल्लाह खान व हारून कुरैशी जिला सदस्य व अफसर पठान जिला मीडिया प्रभारी मनोनीत

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। ज़िला वक्फ कमेटी मंदसौर के जिला अध्यक्ष श्री अमजद पठान एवं जिला उपाध्यक्ष श्री शाकिर हुसैन गढवी द्वारा जिला वक्फ कमेटी में नई नियुक्तियां की गई है। जिस अनुसार जिला वक्फ कमेटी मंदसौर में जिला सदस्य के रुप में समाजसेवी श्री अज़ीज़ुल्लाह ख़ान ख़ालिद एडवोकेट व सरपंच ग्राम पंचायत कचनारा फ्लैग श्री हारून क़ुरेशी को एवं जिला मिडिया प्रभारी के रूप में श्री अफ़सर पठान को मनोनीत किया गया। इस नियुक्ति के अवसर पर श्री ज़ुल्फ़िकार अली शाह के ए.बी. इलेक्ट्रिक शोरूम पर काबरा के पेट्रोल पंप के पास तीनों नवनियुक्त नवीन पदाधिकारियों का पुष्प मालाएं पहनाकर स्वागत सम्मान करते हुए नियुक्ति पत्र जिला वक्फ बोर्ड कमेटी के अध्यक्ष श्री अमजद पठान व उपाध्यक्ष श्री शाकिर हुसैन गढवी ने दिए। इस अवसर पर श्री रईस लाला, श्री हारून लाला, श्री ज़ुल्फ़िकार अली शाह एवं श्री यूनुस मेव ने नवनियुक्त महानुभावों का स्वागत सम्मान करते हुए बधाईयां देते हुए खुशियों का इजहार किया।

सरकार ने 35 दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। सरकार ने निश्चित खुराक संयोजन (एफडीसी) वाली 35 दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। बिना अनुमति बिक रहीं इन दवाओं का लोगों के सेहत पर गलत प्रभाव पडने के मामले सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया है। इसे लेकर शीर्ष औषधि नियामक संस्था (सीडीएससीओ) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पत्र लिखकर गैर-अनुमोदित 35 निश्चित खुराक संयोजन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इसमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर केशव नगर में पोषण पखवाड़ा अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिशु मंदिर केशव नगर में पोषण पखवाडा अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजन किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाध्यापक द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वय महिला बाल विकास सुश्री ममता खींची द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 85 लोगों का हीमोग्लोबिन टेस्ट किया गया और 43 लोगों का लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। उन्हें आयरन एवं कैल्शियम की गोलियां वितरित की गई। विद्यार्थियों के बीच में हेलदी लंच बॉक्स प्रतियोगिता में विजेता रही विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया एवं सर्वाधिक हीमोग्लोबिन वाली छात्राओं को मिस हीमोग्लोबिन बनाया गया। श्री सोनिक मिश्रा ममता फाउंडेशन की ओर से उपस्थित रहे। जिन्होंने बालिकाओं से बाल विवाह के दुष्परिणाम के बारे में चर्चा की गई स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉक्टर सुयासत त्यागी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर छवि जैसवानी चिकित्सा अधिकारी के द्वारा बालिकाओं से माहवारी स्वच्छता एवं एनीमिया पर चर्चा की गई विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा सभी विद्यार्थियों को आयोजित कार्यक्रम के दौरान आंगनबाडी की सेवाओं के बारे में बताया और लाभ लेने हेतु कहा गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष यादव, प्रधानाचार्य श्री राजपाल सिंह सिसौदिया, विद्यालय के दीदी श्रीमती विद्या दोशी, श्रीमती उमा सोनगरा, श्रीमती कल्पना नागदउपस्थित थे।

महासोम यज्ञ विश्व शान्ति के लिये श्रेष्ठ माना जाता है

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय ज्योतिष परिषद के जिला अध्यक्ष पं. शिवप्रकाश जोशी के

द्वारा बताया कि दशपुर नगरी मंदसौर में महा सोमयज्ञ का आयोजन हो रहा है जो विश्व शांति के लिये तथा कई रोग, दोष, महामारी गृह दोष, वास्तु दोष देश एवं विश्व शान्ति के लिये श्रेष्ठ यज्ञ है। पुराणों में उल्लेख है महाशिव पुराण में भी इसका उल्लेख आया हैं त्रैता युग में भगवन श्री राम द्वारा रावण एवं समस्त राक्षसों का अंत कर विश्व शांति महा सोंम यज्ञ का आयोजन किया गया था। द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत महा विश्व युद्ध समाप्ति के पश्चात महाराज युद्धिष्ठर के द्वारा विश्व शांति हेतु आयोजन किया गया था। यह आायोजन हमारे नगर के साथ साथ प्रदेश देश एवं सारे विश्व की शांति के लिये तथा धन समृद्धि वैभव आरोग्यता, खुशहाली, वास्तु दोष, गृह दोष, नक्षत्र दोष, संतान प्राप्ति आदी सभी प्रकार के आदिव्याधीयों को दुर करने के लिये सर्वश्रेष्ठ माना गया है इस यज्ञ के दर्शन करने से ही सारे पापों का अंत होता है तथा पुर्ण की प्राप्ति होती है। पितृ दोष की शान्ति, गृह पीडा, नक्षत्र दोषों की शांति हेतु वर्ष विक्रम संवत् 2082 वर्षा श्रेष्ठ होगी। खरीब और रबी की फसल श्रेष्ठ होगी। देश में शान्ति रहेंगीं। चादी सोना के साथ सभी धातुओं मे खुब तेजी रहेगी। कृषि उपज के दान विशेष बडेगे। वैशाख व जैष्ठ मे दोंगडे ओला वृष्टी वायुवी तुफान आदी की संभावना रहेंगी। किसान एवं व्यापारीयों के युवा छात्र वर्गो के लिये उन्नती के विशेष अवसर प्राप्त होगें। वर्ष के राजा सुर्य एवं प्रधानमंत्री भी सुर्यदेव है। अत: भीषण गर्मी के साथ साथ वर्षा भी अतिश्रेष्ठ होगी। कही कही लु एवं आगजनी वाहन दुर्घटना वायु तुफान आदि से हानी की संभावाना है। विश्व शांति की शुभकामनाओं सहित ऐसे महा सोमयज्ञ के सफल आयोजन के लिये भारतीय ज्योतिष परिषद एवं समस्त जन मानस आभारी है।

लेफ्टिनेंट योगेशकुमार पटेल भारतीय सेनाध्यक्ष के प्रशस्ति पत्र व गोल्डन बेज द्वारा हुए सम्मानित

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पी.एम.कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने बताया कि महाविद्यालय के वाणिज्य विषय के सहायक प्राध्यापक एवं महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट योगेश कुमार पटेल को भारतीय सेनाध्यक्ष द्वारा वर्ष 2024 में एनसीसी में उत्कृष्ट व प्रशंसनीय कार्य करने पर चीफ ऑफ आर्मी कमेंडेशन कार्ड दिया गया।

उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त 2024 के अवसर पर संपूर्ण मध्यप्रदेश में 2 सेना अधिकारी व 1 एनसीसी अधिकारी को भारतीय सेनाध्यक्ष द्वारा यह सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया था। सेना कार्यालय द्वारा उक्त प्रशस्ति पत्र व बैज प्राप्त होने पर 21 एमपी बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल संदीप अहलावत द्वारा लेफ्टिनेंट योगेश कुमार पटेल को यह सम्मान प्रदान किया गया। श्री योगेश कुमार पटेल की उपलब्धि पर 21 एमपी एनसीसी बटालियन रतलाम के कमांडिंग ऑफिसर संदीप अहलावत, सूबेदार मेजर जयपाल सिंह , पीजी कॉलेज मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे.एस.दुबे, एनएसएस अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य, चीफ ऑफिसर विजय सिंह पुरावत, सेकंड ऑफिसर जितेंद्र कनोजिया, थर्ड ऑफिसर हरीश परिहार एवं समस्त स्टाफ व मित्रों द्वारा शुभकामनाएं व बधाइयां दी गयी।

सोने की कीमत पहुंची एक लाख के पास, साढ़े तीन महीने में 15 प्रतिशत से अधिक रिटर्न

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। इस समय दुनिया में सोने की कीमतें लगातार बढती जा रही हैं। कुछ वजह से लगातार सोने की कीमतें बढती जा ही हैं। सोने ने पिछले साढे तीन महीने में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। सोने ने इस नए साल 2025 में 15 प्रतिशत से ज्यादा का लाभ निवेशकों को पहुंचाया है। यदि हम दिल्ली में सोने की कीमतों की बात करें तो 15 अप्रैल को सोने की कीमत 96 हजार 450 रुपये प्रति दस ग्राम है। इससे पहले भारत में सोने के रेट इतने अ?धिक कभी नहीं हुए। अप्रैल महीने के अंत तक सोने के भाव एक लाख रुपये प्रति दस ग्राम को पार कर जाएंगे। सोने में तेजी की सबसे बड़ी वजह यह है कि दुनियाभर के केंद्रीय बैंक इस समय सोने में अपना निवेश बढा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 16 अप्रैल को 3266.65 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया है।

कमोडिटी एक्सचेंज पर भी लगातार तेजी–यदि हम कमोडिटी एक्सचेंज की बात करें तो यहां लगातार सोने की कीमतों में वृद्धि हो रही है। गोल्ड फ्यूचर्स में सुबह बाजार खुलते ही सोने की कीमतों में 1079 रुपये यानी 1.15 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। इसके साथ ही सोना 94 हजार 530 रुपये प्रति दस ग्राम तक पहुंच गया। वहीं 15 अप्रैल को यह दिल्ली में 96 हजार 450 रुपये था।

सोने ने निवेशकों को किया मालामाल–फाइनेंशियल वर्ष 2024-25 में भारत में स्टॉप गोल्ड की कीमतों में 32 प्रतिशत तक उछाल आया। इतना अ?धिक रिटर्न स्टॉक मार्केट में भी नहीं मिल रहा है। इस दौरान निफ्टी ने भी केवल 5 प्रतिशत रिटर्न दिया है। सोने ने जितना नि?वेश दिया है, उतना किसी भी अन्य साधनों से नहीं मिला है। इस साल अब तक सोने में 15 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

ईटीएफ गोल्ड में भी हो रहा निवेश–सबसे बड़ी बात यह है कि निवेशक केवल फिजिकल गोल्ड ही नहीं खरीद रहे, बल्कि वह गोल्ड ईटीएफ में भी निवेश कर रहे हैं। ईटीएफ ने दूसरे अन्य एसेट्स के मुकाबले ज्यादा रिटर्न दिया है। यदि हम 2024 की बात करें तो ईटीएफ का औसतन रिर्टन 20 प्रतिशत रहा। इतना रिटर्न किसी अन्य एसेट्स में नहीं मिला है।

गोल्ड की कीमतें किस दिशा में जाएंगी, नहीं कोई जवाब–यदि आप किसी विशेषज्ञ से यह पूछें कि गोल्ड की कीमतें भविष्य में क्या होंगी, तो इसका किसी के पास कोई स्टीक जवाब नहीं है। सोने की कीमतों के बढने में सबसे ज्यादा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति का है। इस समय ग्लोबल अर्थव्यवस्था की जो तस्वीर दिखाई दे रही है, उससे निवेशकों का ध्यान सोने की तरफ गया है और उन्होंने इसमें दिलचस्पी दिखाई है। वहीं आरबीआई ने भी अपना सोने का रिजर्व 72.6 टन बढा दिया है। ऐसे में आरबीआई का सोने में रिजर्व अब 876.18 टन हो गया है। इसके अलावा जियो पॉलिटिकल टेंशन के कारण भी सोने की कीमतें बढ रही हैं। इसके अलावा रूस-यूक्रेन के बीच भी शांति बहाल नहीं हो रही। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच टकराव जारी है। ऐसे में ग्लोबल ट्रेड वार बढने के भी आसार हो गए हैं। इसलिए सोने में निवेश लगातार बढता जा रहा है।

रंजिश के चलते पीटा, 6 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों पर केस दर्ज किया। मिण्डलाखेड़ा निवासी गोपाल पाटीदार ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि रंजिश के चलते गांव के पवन पिता रंगलाल पाटीदार, रंगलाल पिता रामलाल पाटीदार, सत्यनारायण पिता बोतलाल पाटीदार, विष्णु पिता सत्यनारायण पाटीदार, शौकीन पिता नानूराम पाटीदार, मांगीबाई पति रंगलाल पाटीदार ने गाली-गलौज की व लट्ठव लोहे की राड से मारा, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने सभी छह आरोपियों पर केस दर्ज किया।

आत्म कल्याण भवन पर दी जाऐगी दादी रतनमोहिनी को श्रृद्धाजंलि

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविघालय की मुखिया रहीं राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को मंदसौर में ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों समेत गणमान्यजनों द्वारा श्रृद्धासुमन अर्पित किए जाऐगे। स्थानीय सेवा

केन्द्र आत्म कल्याण भवन तलेरा विहार पर 20 अप्रेल रविवार को प्रात: 8 से 9 बजे तक श्रृद्धाजंलि कार्यक्रम आयोजित किया जाऐगा।

यह जानकारी सेवा केन्द्र की संचालिका बीके उषा ने देते हुए बताया कि प्रजापिता ईश्वरीय विश्वविघालय की मुख्य प्रशासिका रहीं 101 वर्षीय दादी रतनमोहिनी ने 8 अप्रेल को अपनी देह को त्याग कर बाबा की गोद ले ली थी। 1925 में जन्मी दादी 12 वर्ष की उम्र से ही संस्थान से जुड गई थी अपनी सक्रियता के चलते संस्था के विकास में दादी का विशेष योगदान रहा है। आपने 70 हजार किलोमीटर से अधिक दूरी की पदयात्रा कर भारतीय संस्कृति और मूल्यों का प्रचार किया। अध्यात्म और मानवता की सेवा के लिए पूरे जीवनकाल में समर्पित रहीं दादी रतनमोहिनी को मंदसौर में श्रृद्धाजलि दी जाऐगी। बीके उषा ने बीके भाई बहनो समेत गणमान्यजनों से अनुरोध किया कि 20 अप्रेल रविवार को प्रात: 8 से 9 बजे के मध्य स्थानिय आत्म कल्याण भवन तलेरा विहार पर आकर दादी को अपने श्रृद्धासुमन अर्पित करें।

लायंस क्लब को सत्र का 18वां नेत्रदान प्राप्त हुआ

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। लायंस क्लब मंदसौर को सत्र का 18वाँ नेत्रदान स्व. शांतिबाई सोनी पति मानकलाल सोनी (दीवान) के मरणोपरांत प्राप्त हुआ है। इस नेत्र उत्सर्जन की प्रक्रिया प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. किशोर शर्मा द्वारा सम्पन्न की गई, जो नेत्रदान क्षेत्र में अपने अनुभव और समर्पण के लिए जाने जाते हैं। क्लब अध्यक्ष जितेन्द्र पोरवाल ने बताया कि लायंस क्लब मंदसौर द्वारा नेत्रदान जैसे पुण्य कार्यों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्व. शांति बाई सोनी का यह नेत्रदान दो दृष्टिहीन व्यक्तियों को नई रोशनी प्रदान करेगा, जो उनके जीवन में एक नई शुरुआत का प्रतीक बनेगा।

पुराने अस्पताल में प्राथमिक चिकित्सा सुविधा शीघ्र शुरू की जाए

मनासा, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। स्वास्थ्य सेवाओं मे सुधार एक निरंतर विश्वव्यापी प्रक्रिया है जिसकी बदौलत भारत ही नही पूरे विश्व मे मृत्युदर कम हुई है एवं नागरिको की औसत आयु भी काफी बढी है।भारत में भी औसत आयु 1947 के 32 वर्ष से बढकर आज करीब 68 वर्ष हो गई है। पाकिस्तान और बांग्लादेश देश में भी कमोबेश यही स्तिथि है। उत्तम स्वास्थ्य का विषय सरकारों के साथ ही निजी तौर पर भी प्राथमिकताओं मे रहा है। पुरानी कहावतें भी इस विचार को पुष्टकरती है कि 'प्रथम सुख निरोगी काया' और 'जान है तो जहान है' ये स्वास्थ्य के प्रति सोच बताती है।

पिछले कुछ दशकों मे शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों मे आमूलचूल परिवर्तन हुए है, दोनो ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र है। नये अनुसंधान, नई मशीनों, नई तकनीकों ने स्वास्थ्य सेवाओं एवं शिक्षण संस्थानों की आवश्यकताओं को जहां बढाया है वहीँ स्वरुप मे भी विस्तार किया है। आज से 75 वर्ष पूर्व मनासा मे सातवी कक्षा तक का एक ही विद्यालय था आज करीब 25 विद्यालय हो कर स्नातकोत्तर तक की पढाई यहां होने के बावजूद तकनीकी विद्यालयों की कमी महसूस की जा रही है, वहीँ चिकित्सा के क्षेत्र में एक सरकारी अस्पताल के अलावा 6-7 निजी चिकित्सालय भी खुले है लेकिन जहाँ नीमच एवं मंदसौर मे चिकित्सा महाविद्यालय खुले है वहीँ मनासा मे भी एक उन्नत चिकित्सालय का और होना समय की मांग है और समय के अनुरूप यहाँ प्राथमिक चिकित्सालय के अलावा एक 100 बिस्तरीय उन्नत सरकारी अस्पताल की सौगात भी मिली थी और जनता ने दिल खोलकर उसका श्रेय भी शासन-प्रशासन को दिया था, पर कहीं न कहीं जिम्मेदारों की जल्दबाजी के चलते यह सौगात एक चली आ रही सुविधा को छीन बैठी। स्वाभाविकत: नीमच मे मेडिकल कॉलेज खुला तो उन्नत किये गये सिविल अस्पताल को बन्द नही किया गया। ऐसे ही जब मनासा मे सी एम राईज स्कूल (सान्दीपनि) खुला तो सरकारी बालक प्राथमिक एवं माध्यमिक, कन्या प्राथमिक एवं माध्यमिक, उत्कृष्टविद्यालय एवं सरकारी कन्याशाला तथा माडल विद्यालय आदि को बन्द नही किया गया। यह तर्क नही दिया गया कि -एक साथ इतनी व्यावस्थाएँ चलाना मुमकिन नही। तो नई उन्नत सुविधाओं के साथ पूर्व सुविधाओं को चालू रखने की जो कुशलता शिक्षा विभाग ने दिखाई वैसी कुशलता स्वास्थ्य विभाग क्यों नही दिखा पाया ? जबकि स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में तो यह और भी आवश्यक है कि एकल वृद्ध दंपत्तियों, कार्यकारी महिलाओं एवं दिव्यांग मरीजों की परेशानी हो या आपातकालीन सुविधा की बात हो तो चिकित्सा सुविधा निकटवर्ती होना जरूरी है। जबकि नवीन अस्पताल काछी मोहल्ला या भाटखेडी नाका तो दूर मनासा के केंद्र गाँधी चौक से भी साढे तीन किलोमीटर दूर है। दिल्ली की आप सरकार ने निकटतम अस्पताल की सोच के तहत मोहल्ला क्लिनिक की सफल शुरुआत की थी और मध्यप्रदेश मे भी इसी तर्ज पर संजीवनी अस्पताल खोले गये, मनासा मे भी उत्तरी छोर पर संजीवनी अस्पताल का भवन बना और उद्घाटन हुए भी साल भर से ज्यादा समय हो गया है, निश्चित ही शीघ्र चालू होने पर जनता को निकट ही ईलाज का फायदा मिलेगा, ऐसा विश्वास है। पर दुर्भाग्य है कि मनासा को मिली 100 बिस्तरीय अस्पताल की यह सौगात निर्णय की छोटी सी चूक के कारण विवादों मे घिर गई एवं चली आ रही प्राथमिक चिकित्सालय की पुरानी व्यवस्था को भी लील गई।

पूर्व मे जो सरकारी अस्पताल नगर मे था उसका नामकरण कोई 15 साल पहले पं.दीनदयाल उपाध्याय के नाम किया गया था। निश्चित ही 100 बिस्तरीय अस्पताल समय की आवश्यकता के अनुसार पुराने अस्पताल का उन्नयन नही हो कर एक नवीन सौगात थी, जिसका अभी तक कोई नामकरण नही किया गया था। यदि पुराना अस्पताल पं.दीनदयाल उपाध्याय के नाम से चलता रहता, जो जनहित मे भी था तो नाम बदलने का प्रपंच भी खडा नही होता, फिर भले ही रामेश्वर मारू का नाम होता या अन्य। इसी सन्दर्भ मे मेरा एक विस्तृत लेख भी कई अखबारों मे प्रकाशित भी हुआ था। यहाँ मै अपने विचार रखना चाहूँगा कि अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, विज्ञान केन्द्र आदि राजनीतिज्ञों के बजाय नामी चिकित्सकों, वैज्ञानिकों के नाम पर रखे जाने चाहिये, राजनीतिज्ञों के लिये तो देश मे कई सडके, चौराहे, सभागार एवं बगीचे बन सकते है, लेकिन जब नीमच, मंदसौर, रतलाम आदि जगह ऐसा हुआ है तो मनासा को चयनित आधार पर अलग नही रख सकते। लेकिन नामकरण पर एक प्रश्न यह भी आपत्तिजनक लगा कि 'क्या रामेश्वरम मारू विधायक या सांसद थे ?' यानी समाज मे मान्यता पाने के लिये आपका विधायक या सांसद होना जरूरी है, निस्वार्थ समाजसेवी होना या किसी विधा मे पारंगत होना पर्याप्त नही है ? ज्ञातव्य है कि स्व. रामेश्वरम मारू राजनीति के इतर करीब 4 दशकों (40 वर्ष) तक मनासा तहसील की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के केंद्र मे रहे है। मनासा एवं आसपास कई यज्ञ, कथाएं एवं संत समागम मे उनकी महती भूमिका रही है। कांताचार्य जी महाराज, सत्यमित्रानन्दजी गिरी, शंकराचार्य दिव्यानंदजी तीर्थ, रामदयाल जी महाराज, आचार्य धर्मेंद्र, सर्वोच्च न्यायालय के निवर्तमान न्यायाधीश गुमानमलजी लोढा, जैसी कई विभूतियों के आयोजन के सूत्रधार वो रहे थे। 1986 मे त्रिवेणी संगम प्रयाग मे स्वाध्याय संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन मे मेरे आग्रह पर हम तीन लोग गये थे, जिसमें देश के कोने-कोने से तीन लाख लोग आये थे। अटलबिहारी वाजपेयीजी, अडवाणीजी, चन्द्रशेखरजी, सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंगनाथ मिश्र, प्रमुख स्वामिजी, सत्यमित्रानन्दजी आदि आये थे। एक अविस्मरणीय आयोजन था। उसके बाद तो स्व. मारु की स्वाध्याय मे रुचि और भी बढ गई थी। स्वाध्याय संस्थान के भक्तिफेरी प्रक्रम मे जब भाईसाहब गोविन्दजी समदानी अपने साथियों के साथ मनासा आते तो स्व. रामेश्वर मारू ही लोक संग्रह करते थे। वे आध्यात्मिक सत्संग समिति के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे। और रंग तेरस की गैर की शुरुआत भी आध्यात्मिक सत्संग समिति द्वारा उन्ही के उत्साह से शुरु हुई थी। रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय की स्थापना में भी उनकी सक्रिय भूमिका थी तो शिक्षा के क्षेत्र मे सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना मे भी उनका अहम योगदान रहा है, व्यवस्था स्थानीय मोक्षधाम की हो या इसके साथ जुडी महिला स्नानघर की, दोनों उन्होंने सुधारी। ढंढेरी चारभुजा मे कुंड के अतिक्रमण का मामला हो या बडे स्कूल के प्रवेश द्वार को छोटा कर दुकान निर्माण हो या दशहरा मैदान पर बन रहे विद्यालय से मैदान के छोटे होने की संभावना के कारण विरोध हो, वो नगर हित मे अडे रहे। और आज दशहरा मैदान जब छोटा लगता है तो उनके विरोध की सार्थकता दिखती है। कभी-कभी उनके उग्र स्वभाव से कोई नाराज हो जाता लेकिन वो दूसरे ही दिन सामने वाले के कंधे पर ऐसे हाथ रख देते थे जैसे कुछ हुआ ही न हो। कोई भी उनके पास अपना दुखडा लेकर जाता तो उसका साथ देते और ये बात भी प्रचलित हो गई थी कि डॉ संगई और रामेश्वरलाल मारू के पास जो पहले चला जाए उसकी पैरवी करने लगते है फिर वो सही हो या गलत, जैसे किसी क्षत्रिय की शरण मे कोई शत्रु आ जाता तो क्षत्रिय कहता था - 'शरणागत की रक्षा करना क्षात्र धर्म है' यह बात दर्शाती है कि वो जल्दी ही मदद को तैयार हो जाते थे। यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि पं.मदनलाल जोशी मंदसौर के प्रकांड विद्वान, इतिहासज्ञ एवं भागवत कथा मर्मज्ञ थे। मंदसौर मे एक सार्वजनिक उद्यान का नामकरण उनके नाम पर किया गया बिना किसी प्रपंच के, जबकि वो न तो विधायक ही रहे न ही किसी राजनैतिक दल मे ही। यह भी विचारणीय कि सामाजिक स्तर पर किये काम भी ज्यादा मायने रखते है। हाँ, नाम बडे का बदलकर छोटे का करें या छोटे का ही बदलकर बडे का करें दोनो ही गलत है।

इस मामले मे पुरानी सुविधा को बहाल रखा जाता तो यह बवाल भी नही मचता। बहरहाल जनहित में नई सौगात 100 बिस्तरीय अस्पताल एक बडे अस्पताल के रूप में कार्य करे जिसमे बर्न यूनिट, खउण, हड्डी रोग एवं अन्य शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ, जच्चा विभाग आदि हो और पुराने अस्पताल पर बुनियादी चिकित्सा सुविधा शुरू कर रामेश्वरलाल मारू के नाम पर नामकरण हेतु राज्य शासन को अनुशंसा भेजी जाए। नगर सीमा मे ही शासकीय चिकित्सालय होने से बुजुर्गों, महिलाओं, के साथ ही दुर्घटना या आकस्मिक बीमारी मे आमजन एवं मजदूर वर्ग के लिये इलाज सुगम हो जाएगा। संयोग ही है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री का आगमन जिले मे हो रहा है। उम्मीद है कि वो जनहित के इस मामले को संज्ञान मे लेकर नगर के मध्य चली आ रही चिकित्सा सुविधा को पुन: चालु करने हेतु योग्य निर्देश देंगे।

बृजमोहन समदानी, मनासा

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	29	2020	2310
उडद	0000	0000	0000
सोयाबीन	3250	3645	4611
गैहु	13000	2400	2931
चना	568	5300	5797
मसुर	51	6011	6191
धनिया	145	5801	7011
लहसुन	19000	2400	7200
मैथी	1256	3800	6101
मुंगफली	804	4400	5261
अलसी	1594	6401	7016
सरसो	388	5720	5910
तारामीरा	1	5441	5441
इसबगोल	176	10100	13051
प्याज	4619	300	981
कलोंजी	25	9200	18151
तुलसी बीज	2	11853	12400
डॉलर	50	7500	9500
तिल्ली	1	8401	8401
जौ	50	2131	2341
मटरसुखी	2	1700	4031
असालीया	62	6901	7700
चियाबीज	130	9600	13500

पशुपतिनाथ के भंडार से निकली 16 लाख से ज्यादा राशि...

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। श्री पशुपतिनाथ महादेव के दानपात्र बुधवार 16 अप्रैल को खोले गए। प्रथम चरण की गणना में 16 लाख 47 हजार 500 रूपए गिने गए। शेष राशि की गणना आज गुरुवार को की जाएगी।

सोसायटी का पासवर्ड चुराकर की लाखों की धोखाधड़ी, पूर्व प्रबंधक व कलेक्शन एजेन्टों पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सोसायटी में लाखों रुपए की आनलाइन धोखाधडी करने के मामले में पुलिस ने पूर्व प्रबंधक व कलेक्शन एजेन्टों के खिलाफ केस दर्ज किया। पिपलियामंडी में स्थित सत्य पुष्प साख सहकारी संस्था मर्यादित के उपाध्यक्ष महेन्द्रसिंह चौहान ने पिलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि संस्था के पूर्व प्रबंधक रितिक सोनी पिता दीपक सोनी निवासी ईमली बाजार इंदौर, कलेक्शन एजेंट राजेन्द्र सिंह पिता भंवरसिह देवडा निवासी चिताखेडी व पंकज उर्फ जीवन पिता राजेन्द्र बंजारा निवासी राधकृष्ण पंथ गली खानपुरा मंदसौर ने करीब 17 लाख रूपये की आनलाईन धोखाधडी की। महेन्द्रसिंह ने बताया संस्था का गठन 8 अप्रैल 2022 में हुआ था।

गठन के समय से ही शाखा प्रबंधक रितिक पिता दीपक सोनी थे तथा अगस्त 2022 से संस्था के शाखा प्रबंधक के पद पर हर्षित पिता लालचंद देवडा निवासी किटयानी मंदसौर कार्यरत है। संस्था के पूर्व शाखा प्रबंधक रितिक सोनी के समय कलेक्शन एजेन्ट राजेन्द्रसिंह व पंकज उर्फ जीवन ग्राहकों से उनके घर जाकर लोन की किश्तो को कलेक्शन कर संस्था में जमा करने का काम करते थे। उक्त तीनों व्यक्तियों द्वारा संस्था खाता धारक द्वारा लोन लिये जाने पर लोन की राशि कलेक्शन कर संस्था के खाते में जमा नही करते हुऐ स्वयं के द्वारा राशि का गबन कर लिया गया एवं उक्त राशि को संस्था के साफ्टवेयर एसएनएस के माध्यम से संस्था के ही अकाउंट से खाता धारक की लोन राशि संस्था के ही अकाउंट में जमा कर धोखाधडी की गई है। संस्था द्वारा मार्च 2023 की आडिट करवाये जाने पर यह तथ्य ज्ञान में आया कि उक्त तीनों व्यक्तियों द्वारा मिलकर संस्था की राशि का गबन कर धोखाधडी की गई है जिसके पश्चात जांच व कार्यवाही हेतु आवेदन पत्र पुलिस को दिया गया था। संस्था के एजेन्ट राजेन्द्रसिह देवडा के द्वारा करीब 25-30 उसके परिचित के बचत खाते संस्था में संचालित करवाये गये और पात्रता अनुसार उनको लोन (ऋण) भी उपलब्ध करवाया गया जिसका कलेक्शन स्वयं उसके द्वारा किया जाता था। खाता धारक द्वारा ऋण की राशि कलेक्शन एजेंट को प्रतिदिन जमा करवाई जाती थी जो कलेक्शन एजेंट द्वारा कलेक्ट कर खाता धारक को रसीद दी जाती थी खाता धारक से ली गई राशि कुछ समय तक एजेन्ट राजेन्द्र द्वारा संस्था में जमा करवाई गई परंतु उसके बाद राजेन्द्र सिह द्वारा खाता धारक से ऋण की राशि लेकर संस्था में जमा नही करवाई जाने लगी राजेन्द्र सिह द्वारा संस्था के अन्य अकाउंट के पासवर्ड को चुराकर संस्था के अकाउंट की राशि से ही खाता धारक के ऋण की राशि जमा कर धोखाधडी करता रहा। संस्था द्वारा कर सलाहकार से संस्था की आडिट करवाने पर संस्था को जानकारी हुई कि एजेंट राजेन्द्र सिह द्वारा खाता धारक के ऋण की राशि संस्था में जमा न होते हुऐ खाता धारक की ऋण की राशि संस्था के मेन अकाउंट से जमा हुई है जो एजेंट राजेन्द्र सिह द्वारा संस्था के मेन अकाउंट का पासवर्ड चुराकर आनलाईन गबन किया गया है इस प्रकार राजेन्द्र सिंह द्वारा संस्था की राशि करीब 458000/- रू. का गबन किया गया, जिस संबंध में राजेन्द्र सिंह से बात करने पर उसके द्वारा गबन करना स्वीकार किया और राशि वापस संस्था को लौटाने के लिये एक लिखित शपथ पत्र भी दिया गया था साथ ही एजेन्ट राजेन्द्र सिंह द्वारा संस्था से तीन लाख रू. का लोन भी ले रखा है जिसको भी नही लौटाया गया है। एजेन्ट जीवन बंजारा द्वारा संस्था के साथ करीब 400000/- रू. का गबन किया गया है तथा रितिक सोनी द्वारा करीब 729000/- रू. का गबन किया गया है जिसमें से रितिक सोनी द्वारा संस्था को उसके द्वारा गबन किये गये 729000 रू. चुका दिये थे। मार्च 2023 की आडिट करवाये जाने पर सीए ने बताया कि वर्ष 2022 जूलाई अगस्त माह में संस्था की आईडी से करीब 17 लाख रू. का गबन हुआ है। चौकी प्रभारी रितेश नागर ने बताया शिकायत के बाद पुलिस ने जांच कर गबन करने के मामले में पूर्व प्रबंधक व कलेक्शन एजेन्टों पर धोखाधडी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। सभी आरोपी फरार है।

विद्युत विभाग के आउटसोर्स कर्मी और संविदा कर्मचारी की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए

समस्याओं के निराकरण को लेकर विद्युत फेडरेशन ने मुख्य महाप्रबंधक के साथ बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। म. प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान के साथ आज म. प्र.विद्युत कंपनी कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री श्री डी एस चंद्रावत के नेतृत्व में कर्मचारी समस्याओं को लेकर विस्तृत सारगर्भित बैठक कंपनी मुख्यालय इंदौर में संपन्न हुई। बैठक में प्रबंधन की ओर से मुख्य महा प्रबंधक के साथ श्री संजय मालवीय संयुक्त सचिव कार्मिक 1 ,श्री तरुण उपाध्याय संयुक्त सचिव कार्मिक 2 कल्याण अधिकारी श्री टी आर बडोंड विद्युत फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री मकसूद पठान देवास,प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री कमलेश श्रीवास्तव झाबुआ,प्रांतीय संगठन सचिव श्री के के पुरोहित मंडलेश्वर,श्री राजेंद्र सिंह चौहान जोनल सचिव धार,श्री अतीन्द्र मोहन वर्मा क्षेत्रीय सचिव खरगोन ,श्री संजय वोहरा क्षेत्रीय सचिव रतलाम,श्री अरुण राठौर क्षेत्रीय सचिव मंदसौर, श्री लोकेश बाथम क्षेत्रीय सचिव उज्जैन,श्री विजय यादव वृत अध्यक्ष खरगोन, श्री कुलदीप चौहान बुरहानपुर, श्री जावेद हुसैन बाबर अध्यक्ष मल्हारगढ ,श्री कैलाश वर्मा अध्यक्ष बागली देवास, श्री दीपक पंचाल झाबुआ उपस्थित थे। बैठक में एजेंडा अनुसार सभी मुद्दों पर सारगर्भित चर्चा कर निर्णय लिए गए जिसमें प्रमुख रूप से लंबित चिकित्सा देयक की स्वीकृति आगामी 15 दिवस में,चतुर्थ उच्च वेतनमान के लंबित प्रकरण आगामी 7 दिवस में,30 जून और 31 दिसंबर को सेवानिवृत होने वाले सभी कर्मचारी को स्वत: ही एक काल्पनिक वेतन वृद्धि देने, आउटसोर्स कर्मचारियों को अप्रैल 24 से बढ़े हुए वेतन का एरियर शीघ्र भुगतान करने,राज्य सरकार के अनुरूप पुनरीक्षित भत्ते कंपनी में भी लागू करने,कैश लेस मेडिक्लेम पॉलिसी शीघ्र लागू करने,कंप्यूटर ऑपरेटर को सभी जगह कुशल श्रमिक बनाने,लाइन का कार्य करने वाले सभी आउटसोर्स कर्मी जिन्होंने आई टी आई पास और ओवरहेड पास कर रखी हैं उनको भी कुशल श्रमिक बनाने तथा एक हजार रुपए जोखिम भत्ता देने की मांग रखी गई।संविदा कर्मचारी को नई संविदा नीति के तहत किए गए वेतन निर्धारण में व्याप्त वेतन विसंगतियों को शीघ्र दूर करने,संविदा कर्मचारी को राष्ट्रीय अवकाश/त्यौहार पर अतिरिक्त वेतन भुगतान करने, विभागीय कार्य के दौरान दुर्घटना घटित होने पर विद्युत कर्मचारी के विरुद्धधारा 304 ए में दर्ज प्रकरणों में विधिक सहायता कंपनी द्वारा उपलब्ध करवाने हेतु चर्चा हुई। लिपिकीय और तकनीकी कर्मचारी के रिक्त पदों पर शीघ्र नई भर्ती करने,नई भर्ती वाले कर्मचारियों को मूल वेतन 70 प्रतिशत पर शुरू से ही महंगाई भत्ता देना, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी को भी करंट चार्ज देने,बेहतर और त्वरित उपभोक्ता सेवा के लिए सभी नगरीय क्षेत्रों में हाइड्रोलिक लेडर जीप तथा ट्रांसफार्मर चढ़ाने हेतु हाइड्रा मशीन उपलब्ध कराने कि मांग रखी गई। टेस्टिंग सुपरवाइजर और लाइन सुपरवाइजर को सीयूजी सिम देने तथा जिन आधिकारियों/कर्मचारियों को सीयूजी सिम प्रदान कर रखी हैं उनके ट्रांसफर होने पर सिम कार्ड ट्रांसफर नहीं होना चाहिए।विद्युत क्षेत्र में हो रहे उन्नत कार्य तरीकों को अपनाते हुए सेंसर वाले हेलमेट और सेंसर वाले नियॉन टेस्टर उपलब्ध कराने हेतु निर्णय लिए गए।लंबित विभागीय जांच का निराकरण करने हेतु समय सीमा निर्धारित करने कि मांग करी गई।परीक्षण सहायक से पद के अनुरूप कार्य लिया जाए तथा उनका कार्य निर्धारण किया जाए।कंपनी कार्यालय और आवास भवन की मरम्मत एवं रखरखाव हेतु सिविल विंग को आवश्यक फंड उपलब्ध कराया जाए। उपकेंद्र/वितरण केन्द्र तक पहुंच मार्ग बनाने, ओवरहेड पास आउटसोर्स कर्मचारियों को लाइन पर कार्य करने हेतु अथराइजेशन चार्ट में अधिकृत किया जाए तथा सभी ओवरहेड पास आउटसोर्स कर्मचारियों को कुशल श्रमिक का वेतन भुगतान किया जाए। मंदसौर वितरण केन्द्र को शहर संभाग बनाया जाएगा तथा दो जोन बनाए जाएंगे इसका निर्णय इसी माह हो जाएगा।आपसी /स्वैच्छिक स्थानांतरण पर सहानुभूति पूर्वक निर्णय शीघ्र किया जाएगा। सभी मांगों पर मुख्य महाप्रबंधक ने गंभीरता से विचार कर शीघ्र निराकरण करने हेतु संबंधित को योग्य निर्देश जारी किए हैं।बैठक में प्रबंधन कि ओर से सभी कर्मचारियों अधिकारियों को मार्च में रुपए 1866 करोड़ राजस्व वसूली करने पर बधाई शुभकामनाए दी गई।विद्युत फेडरेशन ने आगे भी बेहतर उपभोक्ता सेवा कर राजस्व वसूली लक्ष्य के अनुरूप करने तथा लाइन लॉस कम करने हेतु सकारात्मक प्रयास करने हेतु अपना संकल्प दोहराया।

विपक्षी नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय की दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई के विरोध में न्याय और लोकतंत्र की रक्षा के लिए...

कांग्रेस ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। केन्द्र सरकार द्वारा लगातार ईडी एवं सीबीआई के दुरुपयोग एवं विपक्षी नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई के विरोध में न्याय और लोकतंत्र की रक्षा के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आह्वान पर एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू जी पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में कांग्रेस जनों द्वारा मन्दसौर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के प्रतिमा के सामने नारेबाजी करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान नरेंद्र मोदी विपक्ष एवं राहुल से डरता है, ईडी को आगे करता है, ईडी सीबीआई का दुरुपयोग बंद करो जैसे नारे लगाए गए। उसके बाद महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक श्री विपिन जैन,पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल,श्रीमती पुष्पा भारतीय, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने मन्दसौर तहसीलदार सोनिका सिंह को सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने किया। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड़ ने किया एवं आभार मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा ने माना।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल श्रीमती पुष्पा भारती, शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर,प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी में सर्वश्री महेंद्र सिंह गुर्जर, मुकेश पोरवाल निडर ,पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीत सिंह टुटेजा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षगण में सर्वश्री अनिल शर्मा,सुरेश पाटीदार वीरेंद्र सिंह हाडा, जिला कांग्रेस पदाधिकारी में सर्वश्री दूल्हे सिंह चौहान,अज़हर हयात मेव,कांतिलाल राठौर, डॉक्टर प्रीतिपाल सिंह राणा,तरुण खींची, इष्टा भाचावत, अजय लोढ़ा, शंभू लाल चौहान,कमलेश सोनी, रामचंद्र करुण,अजीत कुमठ, लियाकत मेव,विनोद शर्मा, वहीद जैदी, सुनील बसेर, राजेश फरक्या, बाबू खा मेवाती, निर्मल बसेर,इशरत शेख, विजय सिंह सिसोदिया,विश्वास दुबे, संजय नाहर,महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रूपल संचेती, सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप देवड़ा, उद्योग प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष निर्विकार रातडिया, कामगार कांग्रेस प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह शक्तावत,मंदसौर नगर पालिका में नेता प्रति पक्ष रफत पयामी, अजा विभाग के जिला अध्यक्ष संदीप सलोद, पंचायती राज संगठन के जिला अध्यक्ष महेश पाटीदार , अजजा विभाग के जिला अध्यक्ष रमेश सिंगार, शहर ब्लॉक कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष सलीम खान, पूर्व मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष यूनुस मेव,महिला नेत्रियों में श्रीमती राखी सत्रावाला,अनीता भदोरिया कुमकुम सिसोदिया,नेहा कनकमल जैन, मंडलम अध्यक्ष गण में सर्वश्री दशरथ सिंह राठौड, रमेश ब्रिजवानी,अजय सोनी,अजय मारू, पंकज जोशी, सेक्टर अध्यक्षगण में सर्वश्री सादिक गोरी, पप्पू गुर्जर, अकरम खान, पिपलिया मंडी नगर पंचायत में नेता प्रतिपक्ष सरफराज मेव, राजेंद्र सेठिया,नेमीचंद डाका, अभिषेक पाटीदार, सुरेश खचरानिया,मनोहर नाहटा, राजकुमार कुमावत, नियाज अहमद सेठ,अमीन खान सम्यक जैन, आदर्श जोशी, मुकेश कुमावत,दीपक वर्मा, संतराम, मोहनपुरी गोस्वामी, अक्षय सेठिया, अशोक कोहली, किशोर सिंह, अनिल मुलासिया, राकेश सेन,विनोद खारोल,दुर्गा शंकर धाकड़ आदि कांग्रेस जन इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ तहसील शाखा सीतामऊद्वारा गंगा जल संवर्धन अभियान की प्रतियोगिता एवं डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत कयामपुर के सरपंच जगदीश माली ने की। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा और मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष श्री विक्रम शर्मा, तहसील उपाध्यक्ष पंकज मंडलोई तथा शा. उ. मा. वि. कयामपुर के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थिति में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर जिलाध्यक्ष श्री शर्मा ने प्रकाश डाला तथा तहसील उपाध्यक्ष पंकज मण्डलोई और दयारामपुरी गोस्वामी ने भी विचार व्यक्त किए। गंगा जल संवर्धन अभियान की प्रतियोगिता एवं डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम संदीप चावलिया, द्वितीय विशाल माली, तृतीय कविता मंडलोई रहे। जिन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सोमली नदी पर बनने वाले स्टाप डेम का भूमि पूजन किया विधायक ने

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा में विकास कार्य को गति देते हुए लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन ने ग्राम मजेसरा पहुंच कर सोमली नदी पर विधायक निधि से 25 लाख रुपए की लागत से बनने वाले स्टाप डेम का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर विधायक विपिन जैन ने भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीण जन को संबोधित करते हुए कहा कि इस डैम के बनने के बाद मजेसरा गांव के आसपास कई गांव में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा जिससे सिंचित कृषि रकबा बढ़ेगा और किसानों की आर्थिक उन्नति के नए द्वार खुलेंगे। श्री जैन ने आगे कहा कि इस स्टॉप डैम के बनने से 4 किलो मीटर तक नदी में पानी भरा रह कर आसपास का एरिया सिंचित होगा और आसपास के कुएं में वाटर लेवल बढ़ने पर किसानों को फायदा होगा। इस भूमि पूजन कार्यक्रम में मंदसौर जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, दलोदा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बसंतीलाल सोलंकी, दलौदा कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष मनीष चौहान, जनपद सदस्य दिनेश नायमा, आकोदडा मंडलम अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रकाश पाटीदार, मजेसरा सरपंच धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया, उप सरपंच हरीश पाटीदार, नगर अध्यक्ष राजेश पाटीदार, भरत पाटीदार, मदन सिंह, बलराम आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

हैदराबाद में 400 एकड़ में पेड़ कटाई पर सुको सख्त, यह आदेश जारी, कहा- पशुओं को भागते देख दुख हुआ

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। हैदराबाद में 400 एकड भूमि से पेड़ों को काटने को लेकर सुप्रीम कोर्ट चिंता जाहिर करते हुए सख्त आदेश जारी किए है। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा है कि यहां पर पूर्व की स्थिति को बहाल करना होगा। यह इलाका जंगल जैसा है और इसे हैदराबाद का फेफडा कहा जाता है।

उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना सरकार से कहा कि आपको 100 एकड़ जमीन पर पूर्व की स्थिति बहाल करने के लिए योजना बनानी होगी। बेंच ने पेड़ों की कटाई में तेलंगाना सरकार की जल्दबाजी पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि पर्यावरण को जो नुकसान पहुंचाया गया है हम उससे चिंतित हैं। बेंच ने कहा कि वीडियो में पशुओं को आश्रय की तलाश में भागते हुए देखकर स्तब्ध हैं। न्यायालय ने तेलंगाना से कहा, आप देखिए कि जंगली जानवरों की सुरक्षा कैसे की जाएगी। कोर्ट ने तेलंगाना के वन्यजीव वार्डन को वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। बेंच ने कहा कि यह चिंताजनक है कि इस तरह पेड़ों को काटा जा रहा है और पशु-पक्षी अपने आश्रय के लिए भाग रहे हैं। मामले की अगली सुनवाई 15 मई को तय करते हुए पीठ ने मौखिक रूप से कहा, इस बीच वहां एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा। बता दें कि पिछले दिनों यहां औद्योगिक क्षेत्र बसाने के लिए पेड़ों की कटाई शुरू की गई थी, जिसके विरोध में लोग उतर आए थे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर हुआ था, जिसमें जंगल के कटने से पशु और पक्षी भाग रहे थे। यह मार्मिक वीडियो देखकर हर कोई परेशान था और मांग की जा रही थी कि पर्यावरण का संरक्षण करना चाहिए।

मारपीट, 4 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया। मोल्याखेड़ी निवासी प्रहलाद पिता हजारीलाल मकवान ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि झगडे के रुपए मांगने के विवाद में सिंदपन निवासी बलवंत पिता अमरसिंह, कैलाश, विक्रम व राहुल ने गाली-गलौज कर मारपीट की। पुलिस ने चारों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

वार्ड वार दल बनाकर दिया प्रशिक्षण

नगरी, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद कार्यालय में समग्र आईडी से आधार कार्ड लिंक के विशेष अभियान के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएमओ धर्म चंद जैन ने जानकारी देते हुए कहा कि शासन स्तर पर संचालित विशेष अभियान के तहत समग्र से आधार कार्ड लिंक ईकेवायसी के लिए 1 अप्रैल से 31 मई तक संचालित होगा। अभियान को सफल बनाने के लिए नप सभा कक्ष में आंगनवाडी कार्यकर्ता,आशा कार्यकर्ता, निकाय कर्मचारी एवं एम पी ऑनलाइन सेंटर संचालकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक करते हुए समग्र आईडी से आधार कार्ड लिंक करने हेतु वार्ड वार दल गठित किये गए। दलों को वार्डवार सर्वे कर ऐप के माध्यम से समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश भी दिए गए। इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी धर्मचंद जैन, नप कंप्यूटर आपरेटर नितेश प्रजापत, राजेश यति ,रमेश सेनी एवं चंद्रशेखर हंस उपस्थित रहें।

एक्यूप्रेशर एवं आयुर्वेद चिकित्सा जांच शिविर कल

मंदसौर, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कल 18 अप्रैल, शुक्रवार को एक्यूप्रेशर एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा जांच शिविर मधुसूदन आर्य कार्यालय यूटीआई पैन सर्विस सेंटर 46 गौतम नगर रोड नंबर 1 कालाखेत मंदसौर पर आयोजित होगा। इस शिविर में वैद्य ओमप्रकाश देवासी व थैरेपिस्ट अर्जुन कटारिया अपनी सेवाएं देंगे। 18 अप्रैल को यह शिविर सुबह 10 से सायं 5 बजे तक आयोजित होगा।

उक्त जानकारी देते हुए मधुसूदन आर्य ने बताया कि इस शिविर में क्रांटम बॉडी एनालाइजर जापानी मशीन से पूरे शरीर की जांच करके इन सभी बीमारियों का जैसे दमा बीपी शुगर थायराइड माइग्रेन, बालों का झड़ना, चर्म रोग चेहरे पर कील मुंहासे, मासिक धर्म की अनियमितता बांझपन आदि सभी बीमारियों का इलाज किया जाएगा।

पिता को पीटा, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुत्र ने पिता को पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया। मल्हारगढ़ ईदगाह मार्ग निवासी बब्बन खां ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरा बेटा एहसान पौत्र भय्यु के साथ मारपीट कर रहा था। मैंने मारपीट करने से मना किया तो एहसान ने मेरे साथ गाली-गलौज की व मारपीट की। जिससे उंगली पर चोंट आई। पुलिस ने एहसान पर केस दर्ज किया।

धीरेंद्र शास्त्री बोले-पत्थर...

पेज 1 से जारी

से सिंगोली वर्धमान स्थानक ले जाया गया। बाकी संत 10 किलोमीटर पैदल ही चलकर पहुंचे। रविवार रात यहां विश्राम किया। तीनों संत स्वस्थ होने तक सिंगोली में ही विहार करेंगे।

आयुर्वेदिक पद्धति से हो रहा इलाज–घटना वाली रात तहसीलदार सहित कई डॉक्टर भी पहुंचे। लेकिन, संतों ने रात में डॉक्टर को हाथ नहीं लगाने दिया। किसी प्रकार का कोई इलाज नहीं कराया। सुबह होने पर आयुर्वेदिक पद्धति से स्थानक में ही इलाज किया गया। दरअसल, जैन संत सूर्योदय से सूर्यास्त के बीच ही भोजन ग्रहण करते हैं। उसके बाद नहीं, इसलिए उन्होंने दवा आदि लेने से इनकार कर दिया।

भिक्षा मांगकर किया भोजन–तीनों जैन संतों ने मंगलवार, बुधवार को हमेशा की तरह ही अपनी दिनचर्या की। उनसे मिलने राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात से भी समाजजन पहुंच रहे हैं। उनका कुशल-क्षेम जान रहे हैं। इस दौरान संत पानी, भोजन, गोचरी (भिक्षा) स्वयं कर रहे हैं।

गृहमंत्री अमित शाह आज...

पेज 1 से जारी

की जन्मस्थली नीमच में आयोजित होने वाला यह 86वां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिवस समारोह 2025 का विशेष आयोजन है। कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नीमच पुलिस प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए हैं। नीमच के पुलिस कप्तान श्री अंकित जायसवाल के अनुसार कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए 700 पुलिस कर्मियों की विशेष टुकड़ी तैनात की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर रहकर पूरे कार्यक्रम की निगरानी करेंगे।

पुस्तक दान मेले में वितरण से शेष बची पुस्तकों का वितरण कल

नीमच, 16 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। बुधवार 16अप्रैल पालक महासंघ मध्य प्रदेश जिला इकाई नीमच एवं महिला विंग जिला इकाई नीमच के संयुक्त तत्वाधान में 6अप्रैल 2025 को कक्षा 1 से 12 वीं तक छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क बुक एक्सचेंज मेले का सफल आयोजन किया क्रमांक 2 स्कूल नीमच के परिसर में आयोजित किया गया था।

उक्त संबंध में पालक महासंघ मध्यप्रदेश जिला ईकाई (महिला विंग) की मिडिया प्रभारी श्रीमती आशा सांभर द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि उक्त आयोजित मेले में शहर के निजी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने बुक एक्सचेंज मेले का लाभ लिया तथा अनेक छात्र-छात्राओं एवं पालकों ने पुस्तकें पालक संघ को दान स्वरूप भी भैट की गई थी जिनका मेले में वितरण किया गया था। वर्तमान में बुक एक्सचेंज मेले में वितरण से शेष रही पुस्तकों का नि:शुल्क वितरण 18 अप्रैल 2025 शुक्रवार को प्रात: 9:00 बजे से सायं काल 5:00 तक विकास नगर नीमच 14/3 स्थित मकान नंबर 43 के परिसर में (वधवा हॉस्पिटल)के सामने लगाएं गये बुक्स स्टाल से नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। पालक महासंघ मध्यप्रदेश जिला ईकाई नीमच के जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा एवं महिला विंग अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका कविश्वर ने पालकगण एवं छात्र-छात्राओं से अनुरोध किया है कि आयोजित बुक स्टॉल पर अपनें लिए उपयोग में आने वाली निजी स्कूलों की कक्षा 1 से 12वीं तक की जिन पुस्तकों की आवश्यकता है पालक अथवा छात्र-छात्राएं नि:शुल्क प्राप्त कर सकेंगे। उक्त जानकारी पालक महासंघ मध्यप्रदेश जिला ईकाई नीमच की महिला विंग सचिव उषा मित्तल द्वारा प्रेस नोट के माध्यम से जारी की गई।

✻ नाम परिवर्तन ✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ताहेर सैफूद्दीन मिठिया वाला ने अपना नाम परिवर्तन कर ताहेर मिठिया वाला कर लिया है। अत: आईन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम ताहेर मिठिया वाला के नाम से जाना एवं पहचाना जाएं।

पता-सैफूद्दीन, बोहरा सबील, नजमपुरा, मंदसौर

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मंडल की आवासीय कालोनी स्थित भवन क्रमांक एलआईजी.II–331 किटियानी मंदसौर जो श्री हीरालाल मालवीय पिता श्री लक्ष्मण मालवीय को वर्ष 1990 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 26.03.1997 को उप पंजीयक कार्यालय में पंजीबद्ध करवाया गया था। श्री हीरालाल मालवीय पिता श्री लक्ष्मण मालवीय का स्वर्गवास दिनांक 06.05.2021 को हो जाने से इनकी पत्नी श्रीमती रामकुंवरबाई पति स्व. श्री हीरालाल मालवीय अपनी तीन पुत्रियों 1. श्रीमती किरण मालवीय पति श्री मुकेश मालवीय, 2. श्रीमती राखी मालवीय पति श्री सुरेश मालवीय, 3. श्रीमती पायल मालवीय पति श्री चिमनलाल मालवीय एवं पुत्र श्री सुरेश मालवीय पिता स्व. श्री हीरालाल मालवीय एवं पुत्रवधु श्रीमती मीना मालवीय पति स्व. श्री राहुल मालवीय प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण संयुक्त रुप से अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती रामकुंवरबाई पति स्व. श्री हीरालाल मालवीय, 1. श्रीमती किरण मालवीय पति श्री मुकेश मालवीय, 2. श्रीमती राखी मालवीय पति श्री सुरेश मालवीय, 3. श्रीमती पायल मालवीय पति श्री चिमनलाल मालवीय एवं पुत्र श्री सुरेश मालवीय पिता स्व. श्री हीरालाल मालवीय एवं पुत्रवधु श्रीमती मीना मालवीय पति स्व. श्री राहुल मालवीय के नाम संयुक्त रुप से कर दिया जावेगा। उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्िया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in